देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित
www.page3news.in
नगर संस्करण वर्ष 20 अंक: 351 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
तेल पर भरोसा

पेज थ्री

देहरादून, गुरूवार, 19 मार्च 2026

मौसम | अधिकतम 22.0° | न्यूनतम 14.0°

82924.41

2 लारीजानी के कत्ल का इंतकाम लेंगे
7 टॉप-5 में पहुंच गए जसप्रीत बुमराह

ईरानी इंटेलिजेंस मिनिस्टर इस्माइल खातिब की मौत

ईरान को एक और बड़ा झटका, इजरायल ने किया दावा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तेल अवीव। इजरायल ने ईरान के रक्षा प्रमुख अली लारीजानी की हत्या के बाद ईरानी इंटेलिजेंस मिनिस्टर इस्माइल खातिब को भी मार गिराया है। इसकी पुष्टि इजरायली रक्षा मंत्री इजराइल कैट्ज ने की है। हालांकि, इजरायल डिफेंस फोर्सेज ने अभी तक स्ट्राइक को कन्फर्म करने वाला कोई स्टेटमेंट जारी नहीं किया है। इससे एक दिन पहले इजरायल ने तेहरान में हमला कर ईरान के रक्षा प्रमुख अली लारीजानी को मार गिराया था। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लारीजानी को गुंडों का सरगना बताया था।उनकी मौत के बाद गुस्साए ईरान ने इजरायल पर क्लस्टर बमों से हमला किया है।

जेरूशलम पोस्ट ने ईरानी सूत्रों के हवाले से बीती रात हुए इजरायली हमले में ईरानी इंटेलिजेंस मिनिस्टर इस्माइल खातिब की मौत की जानकारी दी है। एक सूत्र ने बताया है कि इजरायली स्ट्राइक सफल रही है और इस्माइल खातिब मारे गए हैं। वहीं, दूसरे सूत्र ने कहा है कि इजरायल ने उन्हें मारने की कोशिश की है, लेकिन नतीजे अभी तक साफ नहीं हैं। कुछ अन्य सूत्रों ने हालात को देखते हुए इस मुद्दे पर बात करने से मना कर दिया है।

इस्माइल खातिब अगस्त 2021 से इंटेलिजेंस मिनिस्टर हैं। उनकी नियुर्ति ईरान के पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के साथ हुई थी। जब रईसी एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे गए, और मसूद पेजेशकियन उनकी जगह ईरान के राष्ट्रपति बने, तब भी खातिब इंटेलिजेंस मिनिस्टर बने रहे। हालांकि, ईरान में इसे काफी अजीब माना गया, क्योंकि यह परंपरा रही है कि ईरान का नया राष्ट्रपति शीर्ष मंत्रियों की जगह अपने करीबी लोगों को नियुक्त करते हैं।

गौरतलब है कि ईरान ने ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के शक्तिशाली सचिव लारीजानी और आईआरजीसी के आंतरिक अर्धसैनिक बल बासिज के कमांडर सुलेमानी की मौत की पुष्टि की थी। लारीजानी ईरान के सबसे प्रभावशाली राजनेताओं में से एक थे, जिन्होंने पहले पश्चिम के साथ परमाणु वार्ता का नेतृत्व किया था और संसद के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था।

इस्राइली सेना के हमलों में बेरूत में छह लोगों की मौत

इस्राइल के एक हवाई हमले में लेबनान की राजधानी बेरूत के मध्य में स्थित बाचौरा इलाके में एक अपार्टमेंट पर हमला किया गया, जिससे वह पूरी तरह ढह गया। बुधवार की सुबह बेरूत के अन्य प्रमुख इलाकों में आवासीय इमारतों पर हुए दो हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की।

ईरान ने इस्राइल और खाड़ी देशों पर किए हमले

खताइब की कथित तौर पर मौत के बाद ईरान ने बुधवार को इस्राइल और पड़ोसी खाड़ी देशों पर हमले किए। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कतर में विस्फोटों की आवाज सुनी गई, जबकि सऊदी अरब में हमलों को रोके जाने की खबर सामने आई है। ये हमले उस समय हुए, जब कुछ घंटे पहले ईरानी सरकारी मीडिया ने पुष्टि की कि इस्राइल की सेना के हमलों में लारिजानी को मारे गए हैं। इसके साथ ही रिवोल्यूशनरी गार्ड के बसिज बल के प्रमुख जनरल सुलेमानी की भी मौत हुई, जो विरोध प्रदर्शनों को दबाने में अपनी भूमिका के लिए जाने जाते थे।

हम पीछे नहीं हटेंगेः अराघची

तेहरान। अमेरिका और इजरायल के भीषण हमले के बावजूद ईरान जंग रोकने को तैयार नहीं है। इन हमलों में ईरान की टॉप लीडरशिप लगभग खत्म हो चुकी है। सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई से लेकर पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद, सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी और खुफिया प्रमुख इस्माइल खातिब समेत कई शीर्ष अधिकारियों की मौत हो चुकी है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने बुधवार को कहा कि अपने सबसे सीनियर सुरक्षा अधिकारी को खोने के बावजूद ईरान अपनी लड़ाई जारी रखेगा। उन्होंने कहा है कि यह अमेरिका का युद्ध है और हम पीछे नहीं हटेंगे। किसी एक व्यक्ति की मौजूदगी या गैर–मौजूदगी से ईरान पर कोई असर नहीं पड़ता।

संक्षिप्त समाचार

सीएम ने दी नव संवत्सर तथा चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को नव संवत्सर के साथ ही चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं दी है। चैत्र नवरात्रि को शक्ति की उपासना का पर्व बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पर्व भारतीय संस्कृति की महान परंपरा का प्रतीक है। नवरात्र का यह पर्व समाज में नारी के महत्व और सामर्थ्य को दर्शाता है। इस अवसर पर किया जाने वाला कन्या पूजन नारी शक्ति के महत्व का प्रतीक है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी से नारियों के सम्मान की भी अपील की है।

पालम अग्निकांड पर पीएम मोदी ने जताया दुख

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के पालम में हुई आग की घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। पीएम मोदी ने कहा कि दिल्ली के पालम में हुई आग की घटना बेहद दुखद है। मैं अपनों को खोने वाले सभी लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सर्वोच्च प्राथमिकता

पीएम मोदी ने अब कुवैत के क्राउन प्रिंस से की बात, ईद की दी बधाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार का कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबाह अल–खालिद अल–हमद अल–मुबारक अल–सबाह से बातचीत की। इस दौरान पीएम मोदी ने ईद के लिए अग्रिम हार्दिक शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की बदलती स्थिति पर अपने विचार साझा किए। हाल के घटनाक्रमों पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई।

पीएम मोदी ने कहा, हमने पश्चिम एशिया में बदली स्थिति पर विचार–विमर्श किया और हाल के घटनाक्रमों पर चिंता जताई। हमने कुवैत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर हमलों की निंदा को दोहराया। होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम इस बात पर सहमत हुए कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए निरंतर राजनयिक संपर्क जरूरी है।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैंने कुवैत में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण के लिए उनके निरंतर समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। कुवैत में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक निवास करते हैं। उनके हितों की रक्षा करना भारत के लिए हमेशा से एक अहम विषय रहा है।

दोनों नेताओं ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित और स्वतंत्र नौवहन सुनिश्चित करने के महत्व पर सहमति जताई और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता बहाल करने के लिए साथ काम जारी रखने की बात कही थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान से बात कर उन्हें ईद की अग्रिम शुभकामनाएं दीं और पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा की।

भारतीय समुदाय की सुरक्षा के लिए जताया आभार

प्रधानमंत्री ने आगे लिखा, हम इस बात पर सहमत हुए कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए निरंतर कूटनीतिक जुड़ाव अत्यंत आवश्यक है। कुवैत में रहने वाले भारतीय समुदाय की सुरक्षा और भलाई के लिए लगातार समर्थन देने हेतु मैंने उनका आभार व्यक्त किया।ष बता दें कि कुवैत के क्राउन प्रिंस से पीएम मोदी की यह बातचीत एक दिन पहले यूएई प्रेसिडेंट के साथ हुई बातचीत के बाद हुई है।

छापेमारी के दौरान सीएम का जबरदस्ती घुसना सही नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पश्चिम बंगाल से कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का दखल देना अच्छी स्थिति नहीं है। आई–पैक कार्यालय में ईडी की छापेमारी को लेकर शीर्ष कोर्ट ने यह टिप्पणी की। बार एंड बेंच के अनुसार, जस्टिस पंकज मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसी के काम में बाधा आने पर उसे बिना किसी उपाय के नहीं छोड़ा जा सकता। बेंच की यह टिप्पणी उस समय आई, जब पश्चिम बंगाल की ओर से यह दलील दी गई कि कोई केंद्रीय एजेंसी संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत सीधे सुप्रीम कोर्ट नहीं जा सकती।

सुनवाई के दौरान पश्चिम बंगाल की ओर से वकील श्याम दीवान पेश हुए। उन्होंने कहा, ईडी कोई अलग कानूनी इकाई नहीं है, यह केवल सरकार का एक विभाग है। इसकी अपनी कोई अलग पहचान नहीं है। लाइव लॉ के अनुसार, उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई मौलिक अधिकार लागू ही नहीं होता, तो अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर नहीं की जा सकती।

फटकार

■सुको ने आई–पैक मामले में ममता बनर्जी को लगाई फटकार

वरिष्ठ वकील सिब्बल ने क्या कहा?

सीएम ममता बनर्जी की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने भी कहा कि ईडी सीबीआई को प्राथमिकी दर्ज करने के लिए नहीं कह सकती। ईडी सीबीई से जांच कराने के लिए नहीं कह सकती, जब तक कोई मूल अपराध दर्ज नहीं होता, ईडी मामले में नहीं आ सकती और न ही वह मौलिक अधिकार के नाम पर सीबीआई से प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए याचिका दायर कर सकती है। वकील दीवान ने दलील दी कि एक विभाग दूसरे के खिलाफ इस अनुच्छेद का इस्तेमाल करने लगेगा।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

मोहब्बत हमारे साथ, शादी मोदी साहब के साथ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। संसद के उच्च सदन राज्यसभा से बुधवार को कई सांसद रिटायर हो गए। उनकी विदाई के दौरान राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने सदन में कहा कि नेता कभी रिटायर नहीं होते। वो राजनीति में, पब्लिक लाइफ में, देश सेवा के जुनून में न तो थकते हैं और न ही रिटायर होते हैं। इसी दौरान पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के बारे में बोलते हुए खरगे ने अहम टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि मोहब्बत हमारे साथ की, लेकिन शादी मोदी साहब के साथ ऐसा क्यों हुआ मुझे नहीं पता।

राज्यसभा सांसदों की विदाई पर सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने जब देवगौड़ा को लेकर ये बात कही तो पीएम मोदी भी मुस्कुराए बिना नहीं रह सके। इस दौरान उच्च सदन में खरगे के पीछे बैठे जयराम रमेश भी मुस्कुराते नजर आए। दरअसल, खरगे ने जिस तरह से अपनी बात कही वो बेहद अहम रही। शरद पवार का भी जिक्र करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि वो राष्ट्रीय नेता हैं।

■एचडी देवगौड़ा की रिटायरमेंट पर बोले मल्लिकार्जुन खरगे

न्यूज डायरी

शव लेकर जा रहा हेलीकॉप्टर लैंडिंग के दौरान क्रैश, युवक घायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काठमांडू । पूर्वी नेपाल के खोटांग जिले में एयर डायनेस्टी का एक हेलीकॉप्टर लैंडिंग के वक्त अचानक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हेलीकॉप्टर खेत में उतरते समय तेज हवा या धूल के कारण अनियंत्रित हो गया और क्रैश हो गया। इस हादसे में एक यात्री घायल हो गया, जबकि बाकी सभी सुरक्षित हैं। हेलीकॉप्टर काठमांडू से एक मृतक का शव ले जा रहा था। हादसा सुबह खोटांग जिले के खेत में हुआ। हेलीकॉप्टर का रजिस्ट्रेशन नंबर एन–एएसक्यू था। यह काठमांडू से उड़ान भरकर जिले में पहुंचा था और लैंडिंग के दौरान यह घटना घटी। खोटांग की मुख्य जिलाधिकारी रेखा कंडेल ने फोन पर पुष्टि की कि हेलीकॉप्टर खेत में उतरते वक्त दुर्घटनाग्रस्त हुआ। उन्होंने बताया कि इसमें कोई मौत नहीं हुई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक हेलीकॉप्टर पर पांच यात्री सवार थे। कंपनी की ओर से जारी बयान में भी यही बात कही गई है। एयर डायनेस्टी के मुताबिक हेलीकॉप्टर में पांच यात्री थे। इसमें एक मृतक का शव भी ले जाया जा रहा था। पायलट सबिन थापा भी इस उड़ान पर थे। हादसे में सिर्फ एक यात्री को चोट आई है। बाकी यात्री और पायलट सुरक्षित बताए गए हैं।

कंपनी ने तुरंत रेस्क्यू के लिए दूसरा हेलीकॉप्टर रवाना कर दिया। घायल यात्री को जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि लैंडिंग के दौरान तेज हवा या खेत में उड़ती धूल की वजह से हेलीकॉप्टर अनियंत्रित हो गया। पायलट ने पूरी कोशिश की लेकिन लैंडिंग के आखिरी चरण में यह हादसा हो गया।

जो केंट ने ईरान युद्ध के विरोध में इस्तीफा दिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। अमेरिका के टॉप काउंटरटेररिज्म अधिकारी जो केंट ने मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि वे अपनी अंतरात्मा के खिलाफ अमेरिका के ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध का समर्थन नहीं कर सकते। केंट ने अपना इस्तीफा पत्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। इस खत को उन्होंने राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप को संबोधित किया था। उन्होंने लिखा, ष्मैं अपने होशो हवास में ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध का समर्थन नहीं कर सकता। ईरान ने हमारे देश के लिए कोई तत्काल खतरा नहीं पैदा किया था और यह भी जाहिर है कि हमने इस जंग की शुरुआत इजरायल और उसके शक्तिशाली अमेरिकी लॉबी के दबाव में की। यह इस्तीफा ट्रंप प्रशासन में ईरान युद्ध के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा सार्वजनिक विरोध के तौर पर देखा जा रहा है। जो केंट 45 साल के हैं और वे अमेरिकी आर्मी स्पेशल फोर्सेस के पूर्व सैनिक हैं। उन्होंने 11 बार अमेरिका की ओर से जंग में हिस्सा लिया है। इराक युद्ध में उन्होंने खुद को झोंक दिया था। उनकी पहली पत्नी शैनन केंट नौसेना की क्रिप्टोलॉजिक टेक्निशियन थीं। 2019 में सीरिया में उनकी आत्मघाती हमले में उनकी मौत हो गई थी। सैन्य सेवा के बाद केंट ने सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी में पैरामिलिट्री ऑफिसर के तौर पर काम किया। फिर उन्होंने राजनीति में कदम रखा। वे दो बार रिपब्लिकन पार्टी से वाशिंगटन राज्य के दक्षिण–पश्चिमी इलाके से कांग्रेस का चुनाव लड़ चुके हैं। 2022 और 2024 में दोनों बार उन्हें मध्यमार्गी डेमोक्रेट मैरी ग्लूसेंकैंप पेरेज से हार मिली। ट्रंप ने दोनों चुनावों में उनका समर्थन किया था।

उत्तर कोरिया के चुनाव में किम जोंग उन की पार्टी का सभी 687 सीटों पर कब्जा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) उत्तर कोरिया। उत्तर कोरिया में 2026 के संसदीय चुनावों में किम जोंग उन की वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया और उसके सहयोगी दलों ने एक बार फिर जीत हासिल की है। उत्तर कोरिया की स्टेट मीडिया के मुताबिक, 15 मार्च को हुए वोटिंग में कुल 99.99 प्रतिशत मतदाताओं ने हिस्सा लिया और इनमें से 99.93 प्रतिशत ने नामांकित उम्मीदवारों को समर्थन दिया। इस तरह सभी 687 सीटें सत्ताधारी गठबंधन के पास चली गईं। ये चुनाव 15वें सुप्रीम पीपुल्स असेंबली के डिप्टी चुनने के लिए कराए गए थे। वोटिंग के नतीजे आने के बाद प्योंगयांग में नई असेंबली की पहली बैठक जल्द ही होने वाली है। इसमें राज्य के नए नेतृत्व का चुनाव होगा और सोशलिस्ट संविधान में बड़ा संशोधन किया जाएगा। नई किम जोंग उन को स्टेट अफेयर्स कमीशन का अध्यक्ष दोबारा चुने जाने की पूरी संभावना है।

अली लारीजानी के कत्ल का इंतकाम लेंगे

रिपोर्ट

ईरानी सेना ने खाई बदला लेना की कसम, इजरायल में कलस्टर बमों से हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तेहरान। ईरान की सेना ने सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव अली लारिजानी की हत्या पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ईरानी सेना ने कहा है कि लारीजानी की मौत को भुलाया नहीं जाएगा और उनके कत्ल का इंतकाम लिया जाएगा। अली लाराजानी अमेरिका–इजरायल के हमले में मारे गए थे। इसके बाद ईरान ने इजरायल की राजधानी तेल अवीव और दूसरे बड़े शहरों में कलस्टर बमों से भीषण हमले किए हैं।

ईरान के सेना प्रमुख अमीर हातमी की ओर से जारी बयान में अली लारिजानी की हत्या का निर्णायक बदला लेने की कसम खाई गई है। उन्होंने कहा, श्ईरानी फौज अपने शहीदों को याद रखेगी। अली लारिजानी और दूसरे शहीदों की मौत का बदला हमलावरों से लिया जाएगा। ये बदला ऐसा होगा कि उनको अपने किए पर पछतावा करने को मजबूर

होना पड़ेगा।

हातमी ने अपने बयान में कहा, सही समय और सही जगह पर अमेरिका और खून के प्यासे यहूदी खान को निर्णायक और ऐसा जवाब दिया जाएगा, जो दूसरों के लिए सबक बने। हम अपने दुश्मनों को यह बताना चाहते हैं कि ईरान इस तरह के हमलों से झुकने या डरने वाला देश नहीं है। हम अपनी रक्षा की लड़ाई मजबूती से लड़ते रहेंगे।

ईरान की सेना से अलग शक्तिशाली सैन्य संगठन रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) की ओर से भी लाराजीनी की मौत का कड़ा जवाब देने का ऐलान किया गया है। आईआरजीसी की ओर से कहा गया है कि लारीजानी की मौत के बाद उनकी ओर से मध्य इजरायल में मिसाइलें और बम दागे गए हैं। इससे कई शहरों में भारी तबाही मची है।

ईरान ने बुधवार को तेल अवीव पर क्लस्टर वॉरहेड वाली मिसाइलों से हमला किया है। इसे सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी की हत्या के बदले में की गई कार्रवाई कहा गया है। इजरायल ने कहा है कि ईरान ने क्लस्टर वॉरहेड का इस्तेमाल किया है। ये वॉरहेड हवा में छोटे–छोटे विस्फोटकों में बंट जाते हैं और एक बड़े इलाके में फैलकर भारी तबाही का सबब बनते हैं। ईरान की ओर से अपने पड़ोसी देशों में मौजूद अमेरिका के ठिकानों पर हमलों का सिलसिला भी जारी है। बुधवार सुबह को इराक की राजधानी बगदाद में अमेरिकी दूतावास पर हमला हुआ है। बगदाद में युद्ध शुरू होने के बाद से कई दफा अमेरिकी दूतावास और सैन्य बेस को निशाना बनाया जा चुका है। यूएई, कतर, कुवैत में भी अमेरिकी ठिकानों पर हमले हुए हैं।

अमेरिका–इजरायल गठबंधन ने 28 फरवरी को हवाई हमले करते हुए ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ा था। इसके बाद से लगातार दोनों ओर से हमले किए जा रहे हैं और पूरे क्षेत्र में भारी तबाही हो रही है। ईरान के कई बड़े नेता और सैन्य अधिकारी अब तक मारे जा चुके हैं और 1300 से ज्यादा आम लोगों की भी जान गई है।

अफगानिस्तान में अराजकता फैलाना चाहता है पाकिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। पूर्व अफगान राष्ट्रपति हामिद करजई ने पाकिस्तान के अफगानिस्तान पर की गई हवाई कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। करजई ने कहा कि पाकिस्तान की सरकार अफगानिस्तान के साथ कोई भी समझदार और सभ्य संबंध नहीं रख पाई है। उन्होंने इस घटना को दोनों देशों के रिश्तों के इतिहास में अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने कहा कि उन्होंने खुद बमबारी की भयानक आवाज सुनी। उनके घर में कंपन हुआ और आसपास का इलाका धुआं और धूल से भर गया। उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों के रिश्तों के इतिहास में बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना है।

करजई ने कहा कि पाकिस्तान की सरकार अफगानिस्तान की किसी भी सरकार के साथ अच्छे संबंध नहीं रख पाई। चाहे वह राजशाही हो, गणतंत्र हो या अब तालिबान शासन हो। उन्होंने बताया कि अपने कार्यकाल में उन्होंने बेहतर संबंधों के लिए 20 बार पाकिस्तान का दौरा किया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान अफगानिस्तान में अराजकता, कमजोरी और दबे–कुचले हालात पैदा करके अपना हित साधना चाहता है। करजई बोले कि पाकिस्तान की सरकार अफगानिस्तान के साथ समझदार, उचित और सभ्य संबंध नहीं चाहती।

ईरान में लहराया तिरंगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेहरान। अमेरिका और इजरायल से युद्ध के बीच ईरान में भारतीय समुदाय के लोगों ने बड़ी रैली निकाली है। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में भारतीय समुदाय के लोग भारत का तिरंगा हाथ में लिए नारा लगाते हुए आगे बढ़े हैं। इस कार्यक्रम में पुरुषों के साथ ही महिलाओं की भी बड़ी संख्या में भागीदारी रही। खास बात है कि भारतीयों ने ऐसे समय में रैली निकाली है, जब अमेरिका और इजरायल, ईरान के ऊपर लगातार बमबारी जारी रखे हुए हैं। डिफेंस और स्ट्रेटेजिक एक्सपर्ट डॉ. सैयद मोहम्मद मुर्तजा ने अपने एक्स हैंडल पर पर इसका वीडियो शेयर किया है। उन्होंने इसके कैप्शन में लिखा, ईरान में भारतीय समुदाय। इसके साथ ही डॉ. मुर्तजा ने पोस्ट में बताया कि यह प्रदर्शन कोम शहर में किया गया, जो तेहरान से 150 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। वीडियो में सैकड़ों की संख्या में लोग इजरायल और अमेरिका मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। रैली में चल रहे लोग हिंदी में नारे लगा रहे हैं।

ईरानियों के नरसंहार में अमेरिका की सीक्रेट मदद कर रहे खाड़ी देश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तेहरान। अमेरिका और इजरायल के भीषण हमलों के बीच ईरान ने खाड़ी देशों खासकर सऊदी अरब पर जमकर निशाना साधा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिकी सेना को शरण देने वाले खाड़ी के कुछ देश गुपचुप तरीके से अमेरिका को ईरानी नागरिकों की हत्या के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। ईरानी विदेश मंत्री का इशारा सऊदी अरब की ओर था। उन्होंने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से उन खबरों पर सफाई मांगी है जिसमें कहा जा रहा है कि प्रिंस एमबीएस ने डोनाल्ड ट्रंप से अनुरोध किया था कि वह ईरान पर भीषण हमले जारी रखें। सऊदी अरब

■ सऊदी प्रिंस एमबीएस पर भड़का शिया ईरान

एक सुन्नी देश है और ईरान शिया देश। दोनों की दशकों पुरानी दुश्मनी है। इस युद्ध से पहले चीन ने दोनों में दोस्ती कराई थी लेकिन अब फिर से दोनों देशों में तनाव तेज हो गया है।

ईरानी विदेश मंत्री ने उस अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दी जिसमें कहा गया था कि सऊदी प्रिंस ने डोनाल्ड ट्रंप से निजी बातचीत में ईरान पर हमले जारी रखने के लिए कहा है। वहीं सऊदी अरब सार्वजनिक रूप से इस हमले का विरोध कर रहा है। अब्बास अराघची ने एक्स पर कहा कि इस मामले में रुख को तत्काल स्पष्ट करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इजरायल और अमेरिका के हमले में सैकड़ों की तादाद में ईरानी मारे गए हैं जिसमें 200 बच्चे भी शामिल हैं।

इससे पहले ईरान के हाल ही में मारे गए ताकतवर नेता अली लारीजानी ने भी खाड़ी देशों की मुस्लिम जनता से अपील की थी कि वे बताएं कि युद्ध में किस ओर हैं। साथ ही यह भी बताएं कि कोई भी इस्लामिक देश क्यों ईरानी जनता के साथ खड़ा नहीं है। अली लारीजानी ने खाड़ी देशों पर ईरान के हमले का बचाव करते हुए सवाल किया था कि आपके देश में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों का इस्तेमाल हमारे ऊपर हमले के लिए किया जा रहा है और हम हाथ पर हाथ रखकर बैठे रहें? ईरान ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद से लेकर तेल के विशाल ठिकानों तक पर कई बार हमला करके काफी नुकसान पहुंचाया है।

पाकिस्तान के खिलाफ जिहाद करेंगे अफगानी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान के तालिबान शासन के साथ देश के धार्मिक संस्थान पाकिस्तान के खिलाफ एकजुट हो गए हैं। अफगानिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय के ग्रैंड मुफ्ती ने पाकिस्तान की फौज के खिलाफ जिहाद का फतवा दिया है। ग्रैंड मुफ्ती की ओर से यह फतवा ऐसे समय दिया गया है, जब अफगानिस्तान और पाकिस्तान युद्ध जैसी स्थिति में हैं। पाकिस्तान आर्मी के बीती शाम को काबुल में अस्पताल पर बमबारी के बाद दोनों देशों में तनाव बहुत ज्यादा बढ़ गया है। सुप्रीम कोर्ट के ग्रैंड मुफ्फी शेख मौलवी अब्दुल रऊफ की ओर मंगलवार को पाकिस्तान के खिलाफ जिहाद का फतवा जारी किया है। फतवे में कहा गया है कि देश के सभी मुसलमानों मर्दों पर पाकिस्तानी सेना के विरुद्ध युद्ध के शामिल होना फर्ज किया जाता है।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

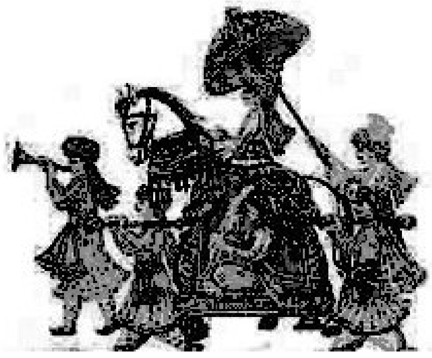

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

आपदा प्रबंधन को मॉक अभ्यास का सफल आयोजन

मॉक अभ्यास के अंतर्गत अलग–अलग स्थानों पर निम्न घटनाओं का परिदृश्य किया गया तैयार

मॉक अभ्यास

आपदा के समय प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित एवं जनहानि को न्यूनतम करना है उद्देश्य

संवाददाता

चमोली। जनपद चमोली में बुधवार को आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने एवं विभिन्न विभागों के समन्वय को मजबूत करने के उद्देश्य से एक व्यापक मॉक अभ्यास का आयोजन किया गया। इस अभ्यास में विभिन्न आपदा परिदृश्यों को शामिल करते हुए त्वरित प्रतिक्रिया एवं राहत–बचाव कार्यों का अभ्यास किया गया।

इस दौरान अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश ने वर्चुअल माध्यम जुड़कर से मॉक अभ्यास का जायजा लिया। इस दौरान जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी मुख्य चिकित्सा अधिकारी अभिषेक गुप्ता सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मॉक अभ्यास में प्रतिभाग किया।

टीएचडीसी टनल, बिरही में सुरंग धंसने की घटना में 02 व्यक्तियों के फंसे होने की सूचना पर एसडीआरएफ, पुलिस, तहसील प्रशासन, डीडीआरएफ एवं मेडिकल टीम द्वारा त्वरित रेस्क्यू कर दोनों व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकालकर उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया।

परसाड़ी रोड के निकट टीवी टावर ज्वाइंट पर भवन ध्वस्त होने की घटना में 02 व्यक्तियों के घायल एवं 01 की मृत्यु की सूचना पर संबंधित टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य संचालित किया तथा घायलों को चिकित्सालय पहुंचाया।

जीआईसी कर्णप्रयाग के निकट 5.0 तीव्रता के भूकंप के परिदृश्य में एक भवन के क्षतिग्रस्त होने की सूचना पर रेस्क्यू टीमों द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए 02 सामान्य एवं 01 गंभीर घायल को सुरक्षित निकाला गया। साथ ही एक गौशाला के क्षतिग्रस्त होने एवं पशुओं के घायल होने की स्थिति का भी प्रबंधन किया गया।

तहसील कार्यालय परिसर, थराली में भूस्खलन की घटना में 03 व्यक्तियों के दबने की सूचना पर बचाव दल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए घायलों को बाहर निकालकर उपचार हेतु भेजा गया।

पॉलीटेक्निक गैरसैंण के निकट वनाग्नि की घटना में वन विभाग, पुलिस एवं अन्य टीमों द्वारा मौके पर पहुंचकर आग पर नियंत्रण पाया गया तथा एक घायल व्यक्ति को उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया।

इस मॉक अभ्यास में एसडीआरएफ, पुलिस, प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन एवं वन विभाग सहित सभी संबंधित विभागों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए आपसी समन्वय एवं त्वरित प्रतिक्रिया का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। एडीएम द्वारा बताया गया कि इस प्रकार के अभ्यासों का उद्देश्य आपदा के समय प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करना एवं आपदा के समय जनहानि को न्यूनतम करना रहा।

न्यूज डायरी

वित्तीय स्वीकृति के लिये क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने सीएम का जताया आभार

संवाददाता चमोली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बुधवार को मुख्यमंत्री आवास में भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान के नेतृत्व में चिन्यालीसौड़ के क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने भेंट कर बणगांव चोपड़ा कसलाना मोटर मार्ग एवं दिवारीखौल जोखणी मोटर मार्ग की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने के लिये मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी क्षेत्रों का विकास हमारा उद्देश्य है, उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर क्षेत्र के गांवों तक सड़क सुविधाओं के साथ अन्य मूलभूत सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। उन्होंने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभाने की भी अपेक्षा की। इस अवसर पर पूर्व मण्डल अध्यक्ष चौन सिंह महर, विजय बडोनी, पूर्व ब्लाक प्रमुख शैलेन्द्र कोहली, पूर्व जिला अध्यक्ष प्रधान संघठन उत्तरकाशी जगबीर रावत आदि मौजूद रहे।

होटल एसोसिएशन ने वैलीब्रिज बनाने व सड़कों की दशा सुधारने की मांग की

संवाददाता मसूरी। मसूरी होटल एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव को ज्ञापन देकर सीजन से पूर्व शिव मंदिर के समीप एक अन्य वैलीब्रिज बनाने, शहर की सड़कों की मरम्मत करने, पैराफीट ठीक करने, एनएच की दशा सुधारने सहित किमाड़ी मार्ग का चौड़ीकरण करने की मांग की।होटल एसोसिएशन के माध्यम से दिए गये ज्ञापन में कहा कि गत वर्ष मानसून सीजन में आयी आपदा से मसूरी की सड़कों सहित एनएच क्षतिग्रस्त हो गया था लेकिन अभी तक उनमें सुधार नहीं किया गया। देहरादून मसूरी मार्ग पर वैलीब्रिज पर लग रहे जाम को ध्यान में रखते हुए वहां पर एक अन्य वैलीब्रिज शीघ्र बनाया जाए ताकि सीजन में पर्यटकों व स्थानीय नागरिकों को परेशानी न उठानी पड़े।

19 अप्रैल को बीएसएफ की हीरक जयंती पर देहरादून में सजेगा मैराथन का मंच

संवाददाता देहरादून। बीएसएफ अपने स्थापना के गौरवशाली 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वर्ष 1965–2025 को हीरक जयंती उत्सव के रूप में मना रहा है। देश की सीमाओं की रक्षा के साथ–साथ सामाजिक सरोकारों में अग्रणी रहने वाला बीएसएफ इस खास अवसर पर उत्तराखंड के युवाओं को स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूक करने जा रहा है। इसी कड़ी में आगामी 19 अप्रैल को दून के रायपुर स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में एक भव्य मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा। सीमा सुरक्षा बल साहसिक प्रशिक्षण संस्थान, डोईवाला द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को हम फिट तो इंडिया फिट मुहिम के तहत एसएआई के सहयोग से संपन्न कराया जा रहा है।

पर्यटन सीजन से पहले अतिरिक्त वैली ब्रिज निर्माण के निर्देश

मंत्री गणेश जोशी ने वन विभाग एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक

संवाददाता मसूरी। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कैंप कार्यालय में आगामी पर्यटन सीजन को देखते हुए देहरादून मसूरी मार्ग पर स्थित वैली ब्रिज के संबंध में वन विभाग एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और पर्यटकों को किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने प्रस्तावित नए पुल के निर्माण से पूर्व अस्थायी वैली ब्रिज के निर्माण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अप्रैल माह से पर्यटन सीजन प्रारंभ होने जा रहा है, ऐसे में देहरादून मसूरी मार्ग पर यातायात का दबाव बढ़ेगा। इसलिए समय रहते वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लोक निर्माण विभाग एवं वन विभाग आपसी समन्वय बनाते हुए शीघ्र ही एक अतिरिक्त टेंपरेरी वैली ब्रिज का निर्माण कार्य प्रारंभ करें, ताकि यातायात सुचारु रूप से संचालित हो सके और पर्यटकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर डीएफओ मसूरी अमित कंवर एवं लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता राजेश कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जनपद में तीन दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण प्रारम्भ

संवाददाता चमोली। जनपद चमोली के जिला सभागार में अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश की अध्यक्षता में बुधवार 18 मार्च से तीन दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला सभागार गोपेश्वर में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 30 फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना सम्बन्धी आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश ने बताया कि आगामी जनगणना 2027 की तैयारियों को लेकर जनपद में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 18 से 20 मार्च के मध्य करवाया जा रहा है जिसका मुख्य उद्देश्य फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना सम्बन्धी आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि जनगणना 2027 देश की पहली पूर्ण डिजिटल जनगणना होगी, जो दो चरणों में आयोजित की जाएगी प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और आवास गणना व दूसरे चरण में जनसंख्या गणना की जाएगी।

घरेलू गैस सिलेंडर का किसी भी प्रकार से न करें दुरुपयोगः डीएम

संवाददाता

■ एजेंसियों को डोर–टू–डोर गैस वितरण के दिए गए निर्देश

रुद्रप्रयाग। जनपद के अंतर्गत समस्त गैस उपभोक्ताओं को घरेलू उपयोग हेतु प्रदत्त एलपीजी गैस सिलेंडर का उपयोग घरेलू कार्यों में ही करना होगा। किसी व्यावसायिक या अन्य तरह से घरेलू गैस का उपयोग करना कानूनन अपराध की श्रेणी में आएगा जिस पर विधिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने इस संबंध में आदेश जारी किया है।

वर्तमान में वैश्विक परिदृश्य के कारण जनपद में गैस आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित है। हालांकि गैस गोदामों में पर्याप्त मात्रा में घरेलू गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं लेकिन साइन बुकिंग, डीएससी व ओटीपी जनरेशन प्राप्त करने की प्रक्रिया अत्यधिक फोन कॉल के कारण बाधित हो रही है। ऐसे में उपभोक्ता गैस एजेंसियों पर अपने परिवार जनों अथवा वाहनों के साथ एकत्रित हो रहे हैं जिस कारण जनपद की कानून एवं शांति व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना होने के साथ ही घरेलू गैस सिलेंडर पहुंचाने में अनावश्यक बाधा उत्पन्न हो रही है। साथ ही सभी गैस एजेंसियां बुकिंग से संबंधित नगरीय क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को डोर–टू–डोर एवं ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं को पूर्व में स्वीकृत वितरण केंद्रों से ही गैस वितरण करना सुनिश्चित करेंगी। इसके अतिरिक्त घरेलू गैस का उपयोग व्यावसायिक अथवा अन्य रूप से प्रयोग में लाना कानूनन अपराध होगा। जिलाधिकारी के निर्देश के बाद जनपद के अंतर्गत यदि कोई व्यक्ति घरेलू गैस सिलेंडर का दुरुपयोग करता है अथवा उसे अवैध रूप से भंडारण करता है तो उसके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

जिलाधिकारी ने जनपद के अंतर्गत संचालित समस्त गैस उपभोक्ताओं सहित होटल, ढाबा संचालकों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निर्देशित करते हुए कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर का किसी भी प्रकार से दुरुपयोग न करें। साथ ही बताया कि जिला प्रशासन द्वारा समय–समय पर गैस एजेंसियों, गोदामों तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में निरीक्षण किया जा रहा है।

ज्वालापुर में खड़ी कार में आग लगने से हड़कंप

संवाददाता हरिद्वार। ज्वालापुर क्षेत्र में बुधवार दोपहर दुर्गा चौक अंडरपास के पास खड़ी एक कार में आग लगने से हड़कंच मच गया। कुछ ही पलों में आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। अंडरपास के पास स्थित गैराज के नजदीक कार खड़ी थी। उसमें अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और लपटें उठने लगीं। सूचना मिलते ही चेतक पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। एफएसओ बीरबल सिंह ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

सफल होने के लिए एक कलाकार के पास साहसी आत्मा होनी चाहिए। ३वह आत्मा जो हिम्मत करती है और चुनौती देती है। -अज्ञात

तेल पर भरोसा

सरकार भी भरोसा दिला रही है कि पेट्रोल-डीजल के दाम में बढ़ोत्तरी नहीं की जाएगी, लेकिन रसोई गैस के मामले में परेशानी बढ़ती दिख रही है। सरकार ने इसी वजह से आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम लागू किया है ताकि जमाखोरी रोकी जा सके और आपूर्ति निर्बाध रहे।

अभिषेक पाण्डेय।।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ युद्ध जल्द खत्म हो सकता है। वह क्रूड ऑयल से जुड़े कुछ प्रतिबंध भी हटाने को तैयार हैं। उनकी दरियादिली का असर क्रूड ऑयल के दाम पर दिखा, जो 120 डॉलर प्रति बैरल के दाम से घटकर 90 डॉलर के नीचे पहुंच गया है। ट्रंप के बयान सकारात्मक हैं और तेल के दाम का नीचे आना सुखद, लेकिन संकट बना हुआ है।

इस युद्ध की वजह से दुनिया के कई हिस्सों में तेल की किल्लत होने लगी है। इसी वजह से इंटरनैशनल एनर्जी एजेंसी ने प्रमुख देशों से अपने रणनीतिक तेल भंडार खोलने की अपील की है, ताकि कमी की भरपाई की जा सके। हालांकि भारत ने इस अपील को ठुकरा दिया है, क्योंकि उसकी अपनी ऊर्जा जरूरत बहुत बड़ी है। अभी कहना बहुत मुश्किल है कि तेल और गैस की वैश्विक सप्लाई चेन पूरी तरह से कब तक बहाल होगी। ऐसे में किसी भी संभावित स्थिति के लिए तैयारी रखना बहुत जरूरी है।

भारत क्रूड ऑयल के आयात में विविधता लेकर आया है। इसकी वजह से अभी तक देश में तेल का कोई संकट नहीं दिखा। सरकार भी भरोसा दिला रही है कि पेट्रोल-डीजल के दाम में बढ़ोत्तरी नहीं की जाएगी, लेकिन रसोई गैस के मामले में परेशानी बढ़ती दिख रही है। सरकार ने इसी वजह से आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम लागू किया है ताकि जमाखोरी रोकी जा सके अ ा ै र आपूर्ति निर्बाध रहे।

देश में 33 करोड़ से ज्यादा घरेलू एलपीजी कनेक्शन हैं और सरकार की प्राथमिकता है कि इनकी जरूरत पूरी होती रहे। हालांकि कर्मशल एलपीजी की कमी की खबरें आ रही हैं। इसका सबसे बुरा असर पड़ेगा

सरकार ने विकल्पों पर काम शुरू कर दिया है, पर उसमें तेजी की जरूरत है। दिक्कत यह है कि तेल की तरह गैस के लिए भी भारत आयात पर बहुत ज्यादा निर्भर है। लगभग 60 प्रतिशत एलपीजी बाहर से मंगानी पड़ती है। ऑयल रिफाइनरियों को प्रॉडक्शन बढ़ाने के लिए कहा गया है, लेकिन अगर बाहर से सप्लाई सुचारू नहीं होती है, तो जरूरत को पूरा करना काफी मुश्किल होगा।

ईरान युद्ध ने एक बार फिर से ग्लोबल सप्लाई चेन की कमजोरी को सामने ला दिया है। सभी को अंदेशा था कि संघर्ष की सूरत में क्या हो सकता है, लेकिन उसकी तैयारी नहीं की जा सकी। अब तो और भी जरूरी है कि भारत अपनी तेल-गैस जरूरत के मामले में रणनीतिक स्वायत्तता बरकरार रखे।

लड़ने का साहस

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। वे सिखाते हैं कि शांति भय से नहीं, न्याय से आती है और सुरक्षा केवल शस्त्र से नहीं, शास्त्र-संवेदना से मिलकर बनती है। और धर्म चाहिए तो त्याग के लिए तैयार रहो। गुरु श्री गोबिन्द सिंह जी महाराज स्मृति नहीं, संघर्ष की जीवित चेतना हैं। वे इतिहास नहीं सनातन की हुंकार हैं। वे आज भी पूछ रहे हैं कि तुम किस ओर हो? धर्म के साथ या डर के साथ? खालसा के साथ या समझौते के साथ? हम बोलते बहुत हैं, पर कह नहीं पाते। और जब कह नहीं पाते, तो भीतर एक भारीपन जमने लगता है। हम दुख को दबाते हैं, भ्रम को अनदेखा करते हैं, और असंतोष को व्यस्तता के नीचे छिपा देते हैं। और याद रखो सवा लाख से एक लड़ने का साहस ही, सभ्यताओं को बचाता है।

संपादकीय

संघर्ष की पहचान

सम्मान तब सार्थक होता है जब वह संघर्ष की पहचान बने, न कि केवल मंच की सजावट। अगर सम्मान प्रेरणा बनता है, तो वह समाज को आगे बढ़ाता है। लेकिन अगर वह केवल प्रतिष्ठा और प्रचार का साधन बन जाए, तो वह धीरे-धीरे अपना अर्थ खो देता है। यह जिम्मेदारी केवल संस्थाओं की नहीं, बल्कि समाज की भी है। हमें यह समझना होगा कि सम्मान का मूल्य तभी है जब वह ईमानदारी और पारदर्शिता से दिया जाए। हमें यह भी देखना होगा कि जिन लोगों को सम्मान दिया जा रहा है, उनका काम वास्तव में समाज को किस तरह प्रभावित कर रहा है। अगर हम केवल चमक-दमक और बड़े नामों के आधार पर सम्मान तय करेंगे, तो वास्तविक योगदान करने वाले लोग हमेशा पीछे रह जाएँगे। आज यह कहना गलत नहीं होगा कि कुछ जगहों पर "अवार्ड इंडस्ट्री" विकसित हो चुकी है। इस उद्योग का एक तय ढाँचा होता है। पहले एक आकर्षक नाम से पुरस्कार की घोषणा की जाती है। फिर नामांकन आमंत्रित किए जाते हैं। इसके बाद चयन समिति का गठन होता है, जिसकी प्रक्रिया अक्सर पारदर्शी नहीं होती। अंत में किसी बड़े होटल या सभागार में समारोह आयोजित किया जाता है, जहाँ दर्जनों लोगों को सम्मानित किया जाता है। कई बार इन आयोजनों में वास्तविक उपलब्धियों से ज्यादा महत्व संपर्क, पहचान और भुगतान को मिल जाता है। कुछ जगहों पर नामांकन या पंजीकरण शुल्क भी लिया जाता है। जब सम्मान भी एक उत्पाद की तरह बिकने लगे, तो उसकी नैतिकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

शायद यही सवाल आज हमें खुद से भी पूछना चाहिए कि हम सचमुच महिलाओं को सम्मान दे रहे हैं, या केवल सम्मान का एक नया बाजार खड़ा कर रहे हैं।

नारी पुरस्कारों का बाजार

डॉ. प्रियंका सौरभ।।

नारी सम्मान का उद्देश्य महिलाओं को समाज में उनकी वास्तविक भूमिका और योगदान के लिए पहचान देना होना चाहिए। लेकिन जब सम्मान केवल फोटो, प्रमाणपत्र और सोशल मीडिया पोस्ट तक सीमित रह जाए, तो वह सम्मान नहीं बल्कि सम्मान का बाजार बन जाता है। महिलाओं को ट्रॉफियों से ज्यादा जरूरत है समान अवसर, सुरक्षा, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन की। उन्हें ऐसे समाज की जरूरत है जहाँ उनकी मेहनत को मंच की चमक के बिना भी पहचाना जाए।

समाज में सम्मान का अर्थ कभी बहुत गहरा हुआ करता था। किसी को सम्मानित करना केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उसके संघर्ष, श्रम और योगदान को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने का एक नैतिक दायित्व माना जाता था। सम्मान का अर्थ था समाज की ओर से यह स्वीकार करना कि किसी व्यक्ति ने अपने जीवन से दूसरों के लिए रास्ता बनाया है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में एक अजीब प्रवृत्ति तेजी से उभरी है "नारी सम्मान" के नाम पर पुरस्कारों का बाजार।

आज ऐसा लगता है मानो हर संस्था, हर मंच और हर संगठन "नारी शक्ति सम्मान", "वुमन आइकन अवॉर्ड", "वुमन लीडरशिप अवॉर्ड", "ग्लोबल वुमन एक्सीलेंस अवॉर्ड" जैसे भव्य नामों से पुरस्कार बाँटने की होड़ में लगा है। सोशल मीडिया खोलिए

तो हर दूसरे दिन किसी न किसी महिला को "अंतरराष्ट्रीय महिला सम्मान" या "राष्ट्रीय महिला रत्न" से सम्मानित किए जाने की तस्वीरें दिखाई देती हैं। मंच पर मुस्कुराते चेहरे, हाथों में चमकती ट्रॉफियाँ, और पीछे बड़े-बड़े बैनर सब कुछ देखने में बेहद आकर्षक लगता है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे कई ऐसे सवाल छिपे हैं जिन्हें अक्सर पूछने से बचा लिया जाता है। सवाल यह नहीं कि महिलाओं को सम्मान क्यों दिया जा रहा है सवाल यह है कि क्या ये सम्मान सचमुच सम्मान हैं, या केवल दिखावे और प्रचार का साधन बनते जा रहे हैं?

दरअसल आज "नारी सशक्तिकरण" एक ऐसा शब्द बन गया है जिसका प्रयोग जितना ज्यादा होता है, उसका वास्तविक अर्थ उतना ही कमजोर होता जाता है। मंचों पर बड़ी-बड़ी बातें होती हैं, भाषणों में महिलाओं की शक्ति और क्षमता का गुणगान किया जाता है, लंबी-लंबी सूची में पुरस्कार बाँटे जाते हैं, फोटो खिंचते हैं, सोशल मीडिया पोस्ट बनते हैं और अगले दिन सब कुछ सामान्य हो जाता है। इस पूरे क्रम में अक्सर वह महिला गायब रहती है जिसके जीवन में सशक्तिकरण की सबसे ज्यादा जरूरत है। भारतीय समाज में सम्मान का अर्थ केवल ट्रॉफी या प्रमाणपत्र नहीं था। किसी को सम्मानित करना उस व्यक्ति के सामाजिक योगदान को स्वीकार करना था। यह एक तरह से समाज की ओर से कहा गया धन्यवाद होता थाकृकि आपने अपने जीवन से दूसरों के लिए रास्ता बनाया। लेकिन जब सम्मान का उद्देश्य बदलकर प्रचार, नेटवर्किंग और व्यक्तिगत ब्रांडिंग बन जाए, तो उसका मूल्य भी धीरे-धीरे कम हो जाता है। आज कई पुरस्कार समारोह ऐसे होते हैं जिनमें वास्तविक चयन प्रक्रिया अस्पष्ट होती है। नारी सम्मान का उद्देश्य महिलाओं को समाज में उनकी वास्तविक भूमिका और योगदान के लिए पहचान देना होना चाहिए। लेकिन जब सम्मान केवल फोटो, प्रमाणपत्र और सोशल मीडिया पोस्ट तक सीमित रह जाए, तो वह सम्मान नहीं बल्कि सम्मान का बाजार बन जाता है। महिलाओं को ट्रॉफियों से ज्यादा जरूरत है समान अवसर, सुरक्षा, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन की। उन्हें ऐसे समाज की जरूरत है जहाँ उनकी मेहनत को मंच की चमक के बिना भी पहचाना जाए। क्योंकि इतिहास यह नहीं पूछता कि किसी को कितने पुरस्कार मिले थेय इतिहास यह पूछता है कि उसने समाज के लिए क्या बदला।

अष्टयोग-5034

7		2		4		6
3	32		33	5	33	
	4	1				3
2	26		35		39	7
		3		6	5	
1	27	5	35		27	4
		4	7	1		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5033 का हल

1	5	2	3	7	4	6
6	29	7	40	6	38	1
3	1	4	6	5	2	7
2	24	5	34	1	32	4
5	1	3	6	4	7	2
4	31	6	30	3	32	5
7	4	1	5	2	6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष

मोहन। सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर इतने पुरस्कार दिए जा रहे हैं तो क्या वास्तव में समाज की मेहनती और संघर्षशील महिलाएँ सामने आ रही हैं? ग्रामीण भारत में लाखों महिलाएँ हैं जो अपने परिवार, समाज और समुदाय के लिए अद्भुत काम कर रही हैं। वे स्वयं सहायता समूह चला रही हैं, गाँवों में शिक्षा का प्रचार कर रही हैं, पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे रही हैं, या घरेलू हिंसा और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष कर रही हैं। कई महिलाएँ सीमित संसाधनों के बावजूद अपने बच्चों को शिक्षित करने के लिए अथक मेहनत कर रही हैं। कई महिलाएँ समाज की बंदिशों को तोड़कर अपने पैरों पर खड़ी हो रही हैं। लेकिन इन महिलाओं के पास न तो बड़े मंचों तक पहुँच होती है और न ही प्रचार का साधन। इसलिए उनका काम अक्सर गुमनाम रह जाता है। वे सम्मान की सूची में शायद ही कभी दिखाई देती हैं। इसके विपरीत, कुछ लोग बार-बार सम्मानित होते रहते हैं। कभी किसी संस्था से "महिला शक्ति सम्मान", कभी किसी संगठन से "महिला प्रेरणा अवॉर्ड", तो कभी किसी मंच से "राष्ट्रीय महिला रत्न"। यह स्थिति सम्मान की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा देती है।

निरहुआ के साथ पोज देते दिखे गोविंदा

भोजपुरी के कलाकार अब बॉलीवुड में भी अपनी मजबूत पकड़ बना रहे हैं। इंडस्ट्री के कई स्टार ने हिंदी फिल्मों में हुनर और आवाज का जलवा बिखरा है, जिनमें पवन सिंह, मनोज तिवारी, शारदा सिन्हा, कल्पना पटवारी और मालिनी अवस्थी जैसे कलाकारों के नाम शामिल हैं। इन सितारों ने बॉलीवुड फिल्मों में अपनी गायकी से भोजपुरी संगीत का दायरा नैशनल लेवल पर बढ़ाया है। पवन सिंह ने स्त्री 2 फिल्म में आई नहीं गाने से काफी सराहना और लोकप्रियता हासिल की। भोजपुरी और बॉलीवुड के रिश्ते आए दिन मजबूत होते दिख रहे हैं। इसी बीच, भोजपुरी इंडस्ट्री के सबसे बड़े कलाकारों में से एक, दिनेश लाल यादव श्निरहुआश ने बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर गोविंदा के साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें निरहुआ और गोविंदा मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। निरहुआ ने कैप्शन में लिखा, आदरणीय बड़े भैया, हम सबके सबसे चहेते सुपरस्टार गोविंदा जी का आशीर्वाद और सानिध्य प्राप्त हुआ, हर हर महादेव। एक्टर के इस पोस्ट को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। पोस्ट पर कुछ ही देर में फैंस के कॉमेंट्स लगातार आने लगे। लोग अपने पसंदीदा कलाकारों के प्रति प्यार लुटा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा– दोनों राजा बाबू एकसाथ। एक और ने कहा– इनके साथ अब भोजपुरी में ही मूवी करिएगा राजा बाबू। एक यूजर ने लिखा, दो सुपरस्टार एक फ्रेम में। गोविंदा हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के टॉप एक्टर्स में से एक रहे हैं जिन्होंने 90 के दशक में अपनी कॉमेडी और लाजवाब डांस मूल्स से लोगों का दिल खूब जीता है। एक्टर ने 100 से अधिक फिल्मों में एक्टिंग की है अपने शानदार डांस का जादू बिखेरा है। उनकी शानदार फिल्मों में हद कर दी आपने, आंखें, राजा बाबू, कुली नंबर 1, साजन चले ससुराल, हीरो नंबर 1, दूल्हे राजा, बड़े मियां छोटे मियां और पार्टनर आदि शामिल हैं।

नदिया के पार का एक्टर, आतंकियों ने ली थी जान, बीवी–बच्चे भी मारे गए

इंदर ठाकुर का बहुत ही कम उम्र में निधन हो गया था, और इसलिए वह ज्यादा फिल्में नहीं कर सके। उन्होंने सिर्फ 3–4 फिल्में कीं, और उनमें भी इंदर को नदिया के पार फिल्म के लिए याद किया जाता है। इसमें इंदर ठाकुर ने सचिन पिलगांवकर के बड़े भाई का किरदार निभाया था और छा गए थे। आज इंदर इस दुनिया में नहीं हैं, पर नदिया के पार वाले हीरो के तौर पर जरूर याद किए जाते हैं। नदिया के पार वही फिल्म है, जिसे बाद में हम आपके हैं कौन! नाम से रीमेक किया गया था। इसमें मोहनीश बहल ने इंदर ठाकुर वाला रोल प्ले किया था, जबकि सचिन पिलगांवकर वाला किरदार सलमान खान ने निभाया था। दरअसल, 1985 में एयर इंडिया की फ्लाइट 1982 कनाडा से दिल्ली के लिए उड़ान भर रही थी और तभी इस पर आतंकवादियों ने बम से हमला कर दिया। जिसमें इंदर ठाकुर मारे गए। साथ में पत्नी और चार साल का बेटा भी था।

अक्षय ने अपना बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड आमिर खान के नाम कर दिया था

अपनी फिल्मों के लिए नेशनल अवॉर्ड जीत चुके अक्षय कुमार ने एक बार अपने फैन्स को हैरान कर दिया था। अक्षय ने एक बार साल 2009 में खुद को मिला बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड आमिर खान के नाम कर दिया था। अक्षय को स्क्रीन अवॉर्ड्स मिला था और उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया। इस अवॉर्ड को आमिर खान को डेडिकेट करने के उनके भाव ने सभी को हैरान कर दिया था। अक्षय ने 17 साल पहले खुद को मिला बेस्ट एक्टर (पॉप्युलर चॉइस) का अवॉर्ड ब्लॉकबस्टर फिल्म श्गजनीश के लिए आमिर खान को दे दिया था। उनके इस कदम की फैन्स और फिल्म इंडस्ट्री में लोग हैरान भी थे और सबने उनपर गर्व भी किया था। अक्षय ने ऐसा करके अपने चाहने वालों को गदगद कर दिया था। अक्षय कुमार को अपनी हिट फिल्म सिंह इज किंग के लिए बेस्ट एक्टर का स्क्रीन अवॉर्ड जीता था। हैरानी वाली बात ये है कि अक्षय ने इस अवॉर्ड को लेने से अस्वीकार कर दिया और इसे आमिर खान को डेडिकेट किया। अक्षय ने आमिर को उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म गजनी में उनके शानदार अभिनय को अपना ये अवॉर्ड डेडिकेट कर दिया। इस अवॉर्ड की घोषणा सदाबहार एक्ट्रेस रेखा ने की थी। अवॉर्ड लेने अक्षय कुमार मंच पर आए, तो उन्होंने कहा, श्आज मैं सचमुच बहुत इमोशनल हूं।

दुल्हन बनीं कृतिका कामरा को देख रो पड़े गौरव कपूर

कृतिका कामरा और गौरव कपूर ने 11 मार्च को शादी की थी। यह शादी एक्टर के बांद्रा स्थित घर की छत पर हुई थी, जो चर्चा में रही। शादी में घर–परिवार के अलावा करीबी दोस्त और रिश्तेदार शामिल हुए थे। शादी के बाद जहां कृतिका और गौरव ने तस्वीरें शेयर कर फैंस का दिल जीता, वहीं पपराजी को मिठाइयां भी बांटी थीं। सोशल मीडिया अभी भी कृतिका कामरा और गौरव कपूर की शादी की तस्वीरों–वीडियो से पटा पड़ा है। इसी बीच न्यूली वेड कपल ने शादी का बेहद प्यारा और इमोशनल वीडियो सामने आया है। इसमें गौरव कपूर दुल्हन बनीं कृतिका को देख रोते नजर आए।

खास पलों और रस्मों की झलक दिखाई

शेयर किए गए वेडिंग वीडियो में उन खास पलों और रस्मों की झलक दिखाई गई है, जो कृतिका कामरा और गौरव कपूर की शादी में हुईं। वीडियो में कृतिका कामरा और कपूर एक–दूसरे के बारे में भी प्यार भरी और दिल छू लेने वाली बातें बोलते नजर आए।

वीडियो में सात वचन, रस्मों और मस्ती के खास पल

फिर वीडियो में वह पल दिखा, जब कृतिका कामरा दुल्हन बनकर गौरव कपूर के सामने आईं। उन्हें देख गौरव अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सके और रो दिए। वीडियो की शुरुआत गौरव कपूर की आवाज से होती है। वह कहते हैं, इतने सारे लोग यहां उस चीज का जश्न मनाने के लिए आए होंगे, जो वास्तव में बहुत सामान्य बात है। जैसे हमारी शादी होना बहुत ही नॉर्मल है क्योंकि हम हमारे दिमाग में पहले से ही शादीशुदा हैं। पहले ही मान लिया है कि हम शादी कर चुके हैं।

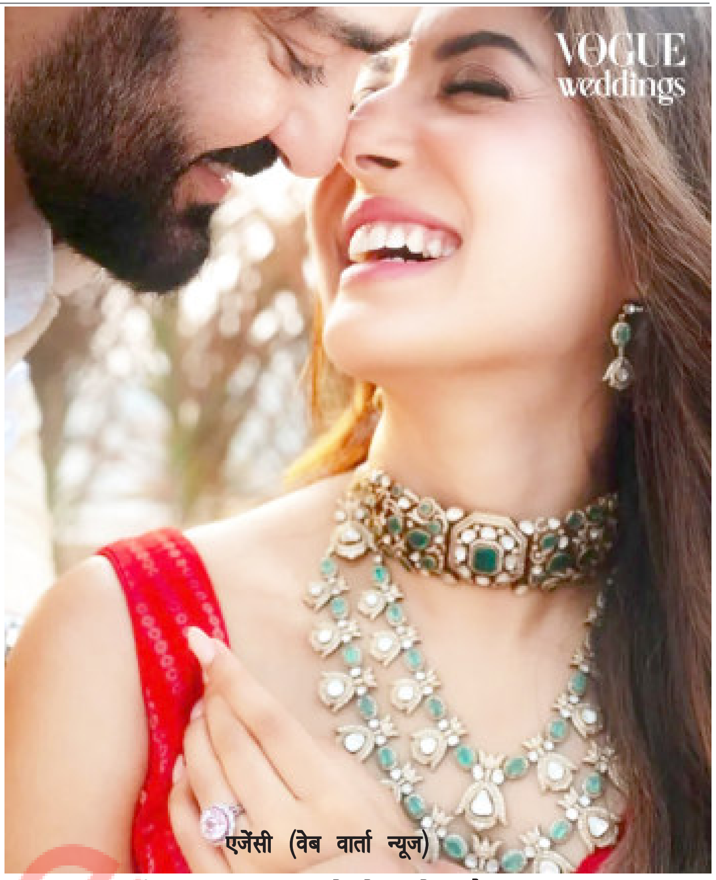

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दुल्हन बनीं कृतिका कामरा को देख रोए गौरव कपूर

इसके बाद कृतिका कामरा को दुल्हन बने लाल साड़ी में दिखाया जाता है। उन्हें देख गौरव रो पड़ते हैं। फिर कृतिका की आवाज आती है, चाहे इसे घिसा–पिटा कहो या क्लासिक, लेकिन घर कोई जगह नहीं है, वो एक इंसान है और वो इंसान ये है। फिर शाम ढली तो कृतिका कामरा और गौरव कपूर ने शादी के वचन लिए। दोनों उन वादों का जिक्र करते और वचन लेते नजर आए, जो उन्होंने एक–दूसरे से किए। इसके बाद उन्हें शादी के डॉक्यूमेंट्स साइन करते, एक–दूसरे के साथ हंसी–मजाक करते और रोमांटिक पल बिताते दिखाया गया।

कृतिका कामरा और गौरव कपूर की शादी में पहुंचे ये सितारे

कृतिका कामरा और गौरव कपूर की शादी में फिल्म के अलावा राजनीति और खेल जगत की कई हस्तियां शामिल हुई थीं। वीरेंद्र सहवाग से लेकर युवराज सिंह एंड फैमिली, जहीर खान–सागरिका घाटगे, मलाइका अरोड़ा, सोहा अली खान, नेहा धूपिया–अंगद बेदी और फरहान अख्तर भी शादी में नजर आए।

कृतिका कामरा और गौरव कपूर की लव स्टोरी

कृतिका कामरा और गौरव कपूर ने दिसंबर 2025 में इंस्टाग्राम पर अपना रिलेशनशिप ऑफिशियल किया था। इससे पहले तक उन्होंने अपना रिश्ता बेहद निजी रखा था। किसी को भी उनके अफेयर की कानोंकान खबर नहीं थी। कृतिका से शादी से पहले गौरव कपूर ने मॉडल किरत भट्टल से शादी की थी, पर साल 2021 में उनका तलाक हो गया। वहीं, कृतिका कामरा पहले एक्टर करण कुंद्रा को डेट कर रही थीं, लेकिन कई साल पहले उनका ब्रेकअप हो गया था।

यूट्यूब से हटाया गया नोरा फतेही का गाना

नोरा फतेही और संजय दत्त पर फिल्माया गया गाना सरके चुनर तेरी सरके के लिरिक्स पर विवाद हुआ। जिसके बाद मेकर्स ने इसे यूट्यूब से हटा लिया और कहा कि वह इसका जल्द ही नया ट्रैक रिलीज करेंगे।

सरके चुनर गाने को संजय दत्त और नोरा फतेही पर फिल्माया गया था। रिलीज के बाद ही कई लोगों ने इसके बोल को आपत्तिजनक और डबल मीनिंग बताया। साथ ही गाने की कोरियोग्राफी को भी भड़काऊ करार दिया। गाने की आलोचना तेजी से बढ़ती गई। विवाद बढ़ता देख मेकर्स ने गाने को यूट्यूब से हटा दिया। साथ ही इस गाने को नए वर्जन के साथ तैयार करने का फैसला लिया, जिसमें गाने के बोल बदले जाएंगे, ताकि किसी की भावनाएं आहत न हों। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं है कि यह नया गाना कब तक रिलीज होगा, लेकिन मेकर्स इसे जल्द ही दर्शकों के सामने लाने की कोशिश में हैं।

नोरा फतेही के गाने को एनएचआरसी का नोटिस मिला

इस मामले ने तब और तूल पकड़ लिया जब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गाने को लेकर नोटिस जारी किया। आयोग ने गाने में इस्तेमाल किए गए शब्दों को लेकर चिंता जताई और इस पर जवाब मांगा। इसके अलावा, वकील और सामाजिक कार्यकर्ता विनीत जिंदल ने भी गाने के खिलाफ दिल्ली पुलिस के साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि गाने के बोल अश्लील हैं और यह समाज, खासकर बच्चों पर गलत असर डाल सकते हैं। उन्होंने मेकर्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सरके चुनरी तेरी सरके पर अरमान मलिक बोले

फिल्म इंडस्ट्री के कुछ सितारों ने भी इस पर अपनी राय रखी। मशहूर गायक अरमान मलिक ने इसे गीत लेखन का श्सबसे निचला स्तरश बताया, जबकि पूर्व क्रिकेटर और राज्यसभा सदस्य हरभजन सिंह ने भी गाने और इसमें काम करने वाले कलाकारों की आलोचना की। इसको सिंगर मंगली ने गाया है और रकीब आलम ने इसके लिरिक्स लिखे हैं और अर्जुन जन्या ने संगीत दिया है।

गाने के बोल लिखने वाले रकीब आलम का रिएक्शन

लिरिसिस्ट रकीब आलम ने इंटरव्यू में कहा कि फिल्म के डायरेक्टर प्रेम ने उन्हें एक कन्नड़ गाने को ट्रांसलेट करने को कहा था। उनके मुताबिक, ये गाना उन्होंने खुद नहीं लिखा था। बस कहे अनुसार वर्ड टू वर्ड ट्रांसलेट किया था, ये लिरिक्स मैंने लिखे नहीं हैं, ये कन्नड़ वर्जन का वर्ड बाई वर्ड ट्रांसलेशन है। फिल्म के जो डायरेक्टर हैं प्रेम, उन्होंने गाना लिखा है। उनका कहना था कि इसमें गलत क्या है। डायरेक्टर बोले कि मैं मैनेज कर लूंगा। उन्होंने मेरा नाम डाल दिया।

Page Three

दिमाग के लिए कितना खतरनाक हो सकता है परफॉर्मेंस अप्रेजल?

परफॉर्मेंस अप्रेजल के दौरान एंग्जायटी का कारण?
परफॉर्मेंस अप्रेजल का टाइम एम्प्लॉई के मन में अक्सर एंग्जायटी बढ़ा देता है। क्योंकि, यह पीरियड उनके आने वाले साल की प्रोफेशनल ग्रोथ को तय करने वाला साबित होता है। इस वजह से उन्हें डर लगा रहता है कि एक गलत रिव्यू उनके पूरे करियर के ग्राफ के बिगड़ने का कारण बन सकता है और उनकी मेहनत पर पानी फेर सकता है। इसी कारण उनपर अपनी वैल्यू साबित करने का प्रेशर लगातार बना रहता है, जिससे कई मेंटल प्रोब्लम्स हो सकती हैं।

एम्प्लॉई की प्रोफेशनल ग्रोथ के लिए परफॉर्मेंस अप्रेजल सबसे महत्वपूर्ण होता है। लेकिन यह वक्त मेंटल और ब्रेन हेल्थ के लिए काफी चैलेंजिंग भी होता है। इस वक्त प्रोफेशनल वर्कर्स को एंग्जायटी, स्ट्रेस, डिसऑर्डर्स का सामना करना पड़ता है।

अप्रेजल के दौरान अक्सर देखी जाने वाली मेंटल प्रोब्लम्स में परफॉर्मेंस एंग्जायटी सबसे आम है। एंप्लाई को इस बात की लगातार चिंता लगी रहती है कि उनके काम को पॉजीटिव तरीके से आंका जाएगा या फिर नेगेटिव तरीके से। इस एंग्जायटी की वजह से ओवरथिंकिंग, कॉन्फिडेंस में कमी और गलती होने का डर बना रहता है। कुछ मामलों में लोगों को पूरे साल अच्छा परफॉर्म करने के बाद भी अपनी कैपाबिलिटी पर शक होने लगता है।

एडजस्टमेंट डिसऑर्डर: अप्रेजल साइकिल की वजह से लोगों को एडजस्टमेंट डिसऑर्डर का भी सामना करना पड़ सकता है। जिम्मेदारियों व टीम स्ट्रक्चर में बदलाव और खराब परफॉर्मेंस रेटिंग के बाद कुछ लोगों को एडजस्ट करने में मुश्किल होने लगती है। जब व्यक्ति इन बदलावों को भावनात्मक रूप से स्वीकार नहीं कर पाता है तो बेचैन, तनावग्रस्त और हतोत्साहित हो जाता है।

इम्पोस्टर सिंड्रोमः इम्पोस्टर सिंड्रोम की साइकोलॉजिकल कंडीशन भी कुछ इसी तरह की होती है। इसके अंदर सफल और बढ़िया काम करने वाले प्रोफेशनल भी अपनी कैपाबिलिटी पर शक करने लगते हैं। अप्रेजल के डिस्कशन में इम्पोस्टर सिंड्रोम का सामना करने वाले लोग अपनी उपलब्धियों के लिए स्किल की जगह भाग्य को श्रेय देने लगते हैं। यहां तक कि पॉजीटिव फीडबैक मिलने के बाद भी उन्हें यही लगता है कि वो इसके काबिल नहीं हैं।

निराशा और आत्म-सम्मान में कमीः नेगेटिव और अनएक्सपेक्टेड अप्रेजल की वजह से कुछ लोगों को निराशा और आत्म–सम्मान में कमी का सामना करना पड़ता है। जब एम्प्लॉई अपने आत्म–सम्मान को प्रोफेशनल परफॉर्मेंस से सीधा जोड़ लेता है तो उम्मीद से कमतर रेटिंग उसके अंदर इमोशनल दिक्कतें पैदा कर देती है। इसके गंभीर मामलों में एम्प्लॉई के अंदर डिप्रेशन, लगातार उदासी, मोटिवेशन की कमी या काम में मन ना लगने जैसी भावनाएं देखने को मिलती हैं। अप्रेजल साइकिल के दौरान एम्प्लॉई के अंदर तनाव, चिड़चिड़ेपन, सोने में कठिनाई और सेल्फ डाउट में बढ़ोतरी देखने को मिलती है। कुछ लोग अपने पुराने काम को बार–बार री–विजिट करने लगते हैं ताकि उन्हें आइडिया लग सके कि उनके मैनेजर या लीडर पर उनके काम का क्या इंप्रेशन पड़ सकता है।

बच्चों के लिए सोने का निश्चित समय निर्धारित करें

अक्सर माता–पिता की सबसे बड़ी शिकायत यही होती है कि उनके बच्चे रात को जल्दी और शांति से नहीं सोते। सोने के नाम पर बच्चों का रोना, नखरे करना और घर में भाग–दौड़ मचना हर दूसरे घर की कहानी है। दिन भर की थकान के बाद, बच्चों को सुलाना किसी जंग जीतने से कम नहीं लगता। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर सोने के समय को उबाऊ या सजा बनाने के बजाय थोड़ा मजेदार बना दिया जाए, तो बच्चे खुद–ब–खुद बिस्तर पर जाने की जिद करेंगे? जी हां, बच्चों को सुलाने के लिए बस एक सही और मजेदार बेडटाइम रूटीन की जरूरत होती है। आइए जानते हैं इसे कैसे बनाएं। बच्चों के शरीर की अपनी एक घड़ी होती है। अगर आप उन्हें रोज एक ही समय पर सुलाने की आदत डालेंगे, तो उस समय तक आते–आते उन्हें खुद नींद आने लगेगी। कोशिश करें कि छुट्टी वाले दिन भी इस रूटीन में ज्यादा बदलाव न हो। सोने से कम से कम एक या दो घंटे पहले टीवी, मोबाइल, या टैबलेट को पूरी तरह बंद कर दें। स्क्रीन्स से निकलने वाली ब्लू लाइट नींद के हार्मोन को रोकती है, जिससे बच्चे एक्टिव बने रहते हैं और उन्हें नींद नहीं आती। दिन भर की उछल–कूद की थकान मिटाने के लिए सोने से पहले बच्चों को गुनगुने पानी से नहलाना एक बेहतरीन उपाय है। छोटे बच्चों के पैरों और सिर की हल्के हाथों से मालिश करें। इससे उनके शरीर और दिमाग को आराम मिलता है और वे गहरी नींद के लिए तैयार हो जाते हैं। यह सबसे पुराना और असरदार तरीका है। बच्चों को परियों की, जानवरों की या कोई भी मजेदार कहानी सुनाएं। आप चाहें तो कहानी में बच्चे को ही हीरो बना सकते हैं।

गर्मी में भी क्यों कुछ लोगों को बिना चादर ओढ़े नहीं आती नींद?

गर्मियों का मौसम हो, पारा 40 डिग्री के पार जा रहा हो और कमरे का पंखा या एसी पूरी रफ्तार से चल रहा हो, फिर भी कुछ लोगों को तब तक नींद नहीं आती जब तक हम अपने शरीर पर एक पतली सी चादर या कंबल न डाल लें। सर्दियों का तो समझ आता है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जब बाहर इतनी गर्मी है, फिर भी बिना चादर ओढ़े कुछ लोगों को नींद क्यों नहीं आती? यह सिर्फ एक आदत है या इसके पीछे कोई गहरा वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक कारण है? बिना चादर या कंबल के सोना कई लोगों के लिए बहुत मुश्किल होता है। इसका सबसे बड़ा कारण मनोवैज्ञानिक सुरक्षा है। चादर ओढ़ने से मिलने वाला एहसास हमें मानसिक रूप से शांत करता है। शरीर पर चादर का हल्का दबाव एक कंफर्ट ऑब्जेक्ट की तरह काम करता है, जो दिमाग को रिलैक्स होने में मदद करता है। यह एहसास बिल्कुल वैसा ही है जैसे किसी के गले लगने पर सुकून मिलता है। चादर का यह हल्का स्पर्श तनाव और घबराहट को कम करने में मददगार होता है, यही वजह है कि बिना चादर के कुछ लोग अक्सर बिस्तर पर बेचैनी महसूस करते हैं।

क्यों कोलेस्ट्रॉल कम होने पर भी लोगों को आ रहे हैं हार्ट अटैक?

जब भी हार्ट अटैक से बचने की बात आती है, तो हम अक्सर गलत दिशा में जा रहे होते हैं या कहें तो गलत नुस्खेश का इस्तेमाल कर रहे होते हैं। हमें लगता है कि हार्ट को सुरक्षित रखने का मतलब सिर्फ कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करना है, लेकिन अपोलो हॉस्पिटल के सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुधीर कुमार का कहना है यह पूरी सच्चाई नहीं है। जी हां, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक स्टडी के हवाले से उन्होंने समझाया कि नींद की कमी और मानसिक समस्याएं हमारी हार्ट हेल्थ में बहुत बड़ा रोल प्ले करती हैं। डॉक्टर का कहना है कि इतने स्पष्ट आंकड़ों के बावजूद, हमारी मेडिकल अप्रोच अभी भी पुरानी है। हम कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए स्टेटिंस जैसी दवाइयां तो खूब लिखते और खाते हैं, लेकिन हम स्ट्रेस, बर्नआउट और खराब नींद को पूरी तरह से नजरअंदाज कर देते हैं। जब आप लगातार मानसिक तनाव से गुजरते हैं और आपकी नींद बार–बार टूटती है, तो शरीर के अंदर कई नकारात्मक बदलाव होते हैं। इससे शरीर में सूजन पैदा होती है, ब्लड प्रेशर अचानक तेजी से बढ़ने लगता है और हार्मोन्स का संतुलन पूरी तरह बिगड़ जाता है। ये सभी चीजें मिलकर हमारी आर्टरीज को नुकसान पहुंचाती हैं।

बॉवल कैंसर का पता लगने के बाद कैसी होनी चाहिए डाइट लाइफस्टाइल?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बड़ी आंत या मलाशय में शुरू होने वाले कैंसर को बॉवल कैंसर कहा जाता है। इस जानलेवा बीमारी के निदान के बाद मरीज को डाइट में ताजे फल, हरी सब्जियां, हेल्दी फैट्स, लो प्रोसेस्ड फूड खाने चाहिए। आहार में दूध को शामिल करना भी फायदेमंद हो सकता है। मरीज हेल्दी डाइट के साथ पर्याप्त फिजीकल एक्सरसाइज और हेल्दी लाइफस्टाइल की आदतों को फॉलो करके रिकवरी को तेज कर सकता है। चूंकि यह बीमारी डायजेस्टिव सिस्टम से जुड़ी है, इसलिए इसके पता लगने के बाद पाचन को स्वस्थ रखने के लिए डाइट, एक्सरसाइज और जीवनशैली पर बारीकी से ध्यान देना जरूरी हो जाता है।

बहवल कैंसर और कोलोरेक्टल कैंसर एक हैं या अलग?
बॉवल कैंसर के अंदर बड़ी आंत और मलाशय में शुरू होने वाला कैंसर शामिल होता है। बड़ी आंत को कोलन और मलाशय को रेक्टम भी कहा जाता है। दोनों कैंसर के शुरू होने का स्त्रोत, विकास, लक्षण और टेस्टिंग एक जैसी होती है, इसलिए इन दोनों कैंसर को एक ही मेडिकल टर्म (कोलोरेक्टल कैंसर) में जोड़ दिया गया है। बॉवल कैंसर, कोलन कैंसर, रेक्टल कैंसर या कोलोरेक्टल कैंसर सभी एक ही बीमारी के नाम हैं।

कोलोरेक्टल कैंसर में लाइफस्टाइल पर ध्यान देना क्यों जरूरी?
यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया सैन फ्रांसिस्को की एक स्टडी बताती है कि बॉवल कैंसर से आपकी रिकवरी कितनी प्रभावी होगी, उसके

बाद की लाइफ क्वालिटी कैसी होगी, बीमारी के वापस आने का खतरा कितना रहेगा, ये सब बीमारी के ट्रीटमेंट के साथ जारी आपकी लाइफस्टाइल पर टिका होता है। मरीज के द्वारा ली जा रही डाइट में मौजूद पोषण शरीर को ताकत देने और कमजोरी को दूर करने में मदद करता है। एक्सरसाइज से इम्यून सेल्स का फंक्शन मजबूत रहता है और हेल्दी रूटीन से कैंसर के जोखिमों को कम करने में मदद मिलती है।

कोमोरबिडिटीज का भी रखें ध्यान
डाइट, एक्सरसाइज और लाइफस्टाइल रूटीन तय करने से पहले मरीज को अपनी कोमोरबिडिटीज का भी ध्यान रखना चाहिए। क्लीवलैंड क्लीनिक के मुताबिक, कोमोरबिडिटीज उस बीमारी को कहा जाता है, जो प्राथमिक बीमारी के साथ मरीज को शारीरिक व मानसिक नुकसान पहुंचा रही हो। कैंसर की रिकवरी कोमोरबिडिटीज की गंभीरता पर काफी निर्भर करती है। डायबिटीज, हाइपरटेंशन, ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज, कंजेस्टिव हार्ट फेलियर जैसी बीमारियों को आम कोमोरबिडिटीज के रूप में देखा जाता है।

बहवल कैंसर में कैसी होनी चाहिए डाइट?
बॉवल कैंसर के कारण खाने को पचाने और पोषण को सोखने की क्षमता में कमी आ सकती है। यह कैंसर ट्रीटमेंट के प्रभाव को कम करने वाला बड़ा कारण है। इस स्थिति को सुधारने के लिए आपको डाइट की छोटी से छोटी चीज पर निगरानी रखनी चाहिए।

क्या दूध पी सकते हैं?
यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया सैन फ्रांसिस्को की स्टडी के मुताबिक, दूध व कैल्शियम इनटेक और कोलोरेक्टल कैंसर के बीच संबंध बताने वाले शोधों की कमी है। कोलोरेक्टल कैंसर के मरीजों के अंदर दूध का सेवन और सभी कारण से होने वाली मृत्यु में कमी के बीच संबंध देखा गया है। लेकिन यह स्पष्ट रूप से नहीं कहा जा सकता कि दूध खासतौर से बॉवल कैंसर से होने वाले मृत्यु के जोखिम को भी कम कर सकता है। हालांकि, दूध या कैल्शियम इनटेक से बॉडी के न्यूट्रिशनल लेवल को मेंटेन किया जा सकता है। हार्ट डिजीज या हाई कोलेस्ट्रॉल कोमोरबिडिटीज के मामले में डॉक्टर लो फैट दूध लेने की सलाह देता है।

Page Three

एसआरएच की मालकिन के लिए लिखा ये खास मैसेज

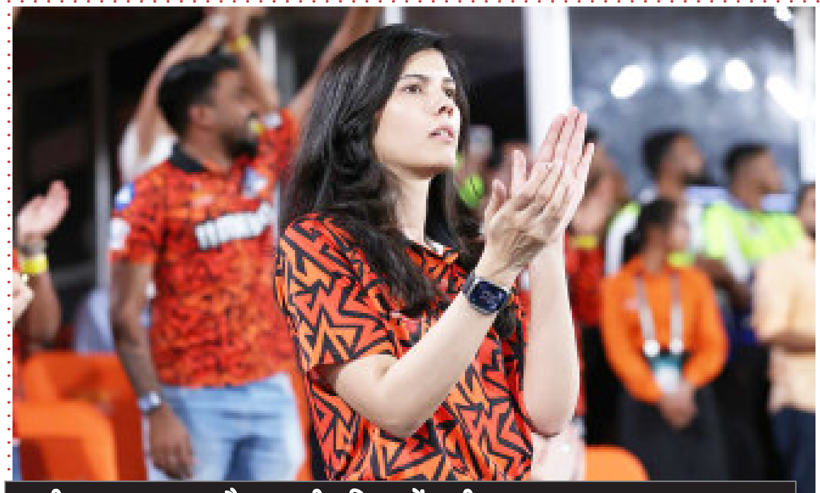

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। द हंड्रेड लीग के दौरान एक नया विवाद खड़ा हो गया है। सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन की टीम सनराइजर्स लीड्स द्वारा पाकिस्तानी गेंदबाज अबरार अहमद को साइन किए जाने के बाद भारत में सोशल मीडिया पर भारी नाराजगी देखी जा रही है। इस मामले में अब आईपीएल के अध्यक्ष ललित मोदी भी कूद पड़े हैं और उन्होंने काव्या मारन को एक खास मैसेज भेजा है। सनराइजर्स लीड्स ने पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद को 1,90,000 पाउंड (लगभग 2.34 करोड़ रुपये) में खरीदा जिससे भारतीय फैंस इस फैसले से नाराज हो गए। विवाद बढ़ता देख ललित मोदी ने एक्स पर बिना किसी का नाम लिए एक पोस्ट शेयर किया, जो सीधे तौर पर काव्या मारन और उनकी टीम की ओर इशारा करता है। ललित मोदी ने लिखा, जब फैंस पहले से ही गुस्से में हों, तब एक पाकिस्तानी खिलाड़ी पर 2.34 करोड़ रुपये का निवेश करना? मैं श्छवि को मैनेज करने और साम्राज्य बनाने के बारे में थोड़ा–बहुत जानता हूं। मुझे कॉल करें। ललित मोदी का ये तंज साफ तौर पर ये बता रहा है कि उन्हें लगता है कि फ्रेंचाइजी ने ब्रांड की छवि और फैंस की भावनाओं को समझने में गलती की है।

सुनील गावस्कर और बाकी दिग्गजों की राय

ये विवाद केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रहा। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने भी इस कदम की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों को इस तरह साइन करना अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान की मदद करने जैसा है। उनके इस बयान के बाद क्रिकेट जगत दो धड़ों में बंट गया है। जहां कुछ लोग गावस्कर का समर्थन कर रहे हैं, वहीं पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ियों ने इसकी निंदा की है। भारी विरोध के बीच सनराइजर्स लीड्स के कोच डेनियल विटोरी ने इस फैसले का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि अबरार को पूरी तरह से खेल के आधार पर चुना गया है।

बिना कोई मैच खेले टॉप–5 में पहुंच गए जसप्रीत बुमराह

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों को हुआ बंपर फायदा

क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत ने 8 मार्च को टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद से कोई टी20 मैच नहीं खेला है, और जुलाई तक इस फॉर्मेट में कोई मैच नहीं है। लेकिन आईसीसी टी20 रैंकिंग में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को फायदा मिला है और वो बिना कोई मैच खेले टॉप–5 में पहुंच गए हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड ने वर्ल्ड कप के बाद कुछ टी20 मैच खेले, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश ने रेटिंग प्वाइंट्स गंवाए और छठे स्थान पर आ गए, जिससे बुमराह को फायदा हुआ और वो आईसीसी टी20आई बॉलर्स रैंकिंग में 1 स्थान के फायदे के साथ पांचवें स्थान पर 702 रेटिंग अंक के साथ पहुंच गए।

बांग्लादेश के कप्तान मेहदी हसन मिराज ने हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसका उन्हें अब इनाम मिल गया है। बांग्लादेश ने ये सीरीज 2–1 से अपने नाम की, जिसमें मिराज ने 3 मैचों में 5 विकेट चटकाए। इस प्रदर्शन की बदौलत मिराज आईसीसी मेंस वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में 9 स्थान के फायदे के साथ 7वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में वह दो स्थान के सुधार के साथ अब दुनिया के दूसरे नंबर के ऑलराउंडर बन गए हैं। केवल मिराज ही नहीं, तंजीद हसन (31 पायदान ऊपर), लिटन दास, तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान की रैंकिंग में भी बड़ा सुधार देखने को मिला है।

पाकिस्तान के सलमान अली आगा आईसीसी मेंस वनडे बैटर्स रैंकिंग में 9वें और ऑलराउंडर की रैंकिंग में 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि कप्तान शाहीन अफरीदी ऑलराउंडर रैंकिंग में 25वें नंबर पर आ गए हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर ने अपनी बेहतरीन फॉर्म जारी रखी है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी 5 मैचों की टी20 सीरीज के शुरुआती मुकाबलों में शानदार खेल दिखाने का उन्हें बड़ा फायदा मिला है।

सेंटनर टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में 11 पायदान चढ़कर 13वें स्थान पर आ गए हैं। ऑलराउंडर की लिस्ट में भी वह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग के साथ 7वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय फैंस के लिए गर्व की बात ये है कि टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा अभी भी शीर्ष पर बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के लॉकी फर्ग्यूसन और डेवान कॉनवे की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के जॉर्ज लिंडे ऑलराउंडर रैंकिंग में 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं और ओटनील बार्टमैन ने गेंदबाजों की लिस्ट में 23 पायदान की लंबी छलांग लगाई है।

बुमराह की खातिर सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में बदलाव कर सकता है बीसीसीआई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2025–26 के लिए अपने केंद्रीय अनुबंधों में ए कैटेगरी को हटाने का फैसला किया, जिससे खिलाड़ियों की सैलरी स्ट्रक्चर में बदलाव की पूरी उम्मीदें हैं। इस श्रेणी में पहले रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा शामिल थे, लेकिन अब इसे हटा दिया गया है। बीसीसीआई के इस फैसले से जसप्रीत बुमराह की सैलरी में 2 करोड़ रुपये की कमी आ सकती है, क्योंकि उन्हें अब ए कैटेगरी में रखा गया है, जिसमें 5 करोड़ रुपये का सालाना अनुबंध होता है। बीसीसीआई इस कमी को भरने के लिए फिर से सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में बदलाव कर सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई जसप्रीत बुमराह की खातिर अपने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में बदलाव कर सकती है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया,

■अक्षर पटेल की सैलरी में हो सकती बढ़ोत्तरी

बोर्ड इस बात का हल खोज रहा है कि कैसे बुमराह को उनके हक का पैसा दिया जाए। कुछ और खिलाड़ी हैं, जिनकी सैलरी कम हुई है और सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में बदलाव हो सकता है। अगर बीसीसीआई ने बदलाव किया तो टी20 टीम के उपकप्तान अक्षर पटेल को भी बीसीसीआई ज्यादा सैलरी दे सकती है। अक्षर ग्रेड सी कैटेगरी में हैं और उनकी सैलरी सिर्फ 1 करोड़ रुपये हैं। दो टी20 विश्व कप और चौंपियंस ट्रॉफी में जीत दिलाने में अक्षर ने अहम योगदान दिया था और ऐसे में कई क्रिकेट एक्सपर्ट्स ने उनकी सैलरी कम होने की आवाज उठाई थी, लेकिन अब बीसीसीआई उनकी सैलरी बढ़ा सकता है।

बता दें कि ए श्रेणी के खिलाड़ियों को सालाना 7 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाता था। इस कैटेगरी में शामिल होने के लिए, खिलाड़ी को तीनों फॉर्मेट में खेलना और कम से कम एक फॉर्मेट में टॉप–10 रैंकिंग में होना जरूरी था। हालांकि, रोहित और कोहली अब सिर्फ एक फॉर्मेट खेल रहे हैं, और जडेजा ने टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया है। जिससे बुमराह ही इस श्रेणी में बचे थे। इसलिए बोर्ड ने इस श्रेणी को पूरी तरह से हटाने का फैसला किया।

इस फैसले के हिसाब से बुमराह और जडेजा को ए श्रेणी में रखा गया है, जहां खिलाड़ियों को सालाना 5 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाता है। हालांकि, रोहित–विराट अभी सिर्फ एक ही फॉर्मेट खेलते हैं, जबकि जडेजा ने टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया है। ऐसे में बुमराह ही एक ऐसे खिलाड़ी हैं, जिनके लिए बोर्ड सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में बदलाव कर सकता है।

अफ्रीकी फुटबॉल में बवाल, हारने वाली मोरोक्को बनी चैंपियन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अफ्रीकी फुटबॉल में बड़ा विवाद सामने आया है। कन्फेडरेशन ऑफ अफ्रीकन फुटबॉल ने अफ्रीकन कप ऑफ नेशंस 2026 के फाइनल का नतीजा पलटते हुए मोरक्को को चैंपियन घोषित कर दिया है। यह फैसला लिया गया। सीएएफ ने जनवरी में खेले गए विवादित फाइनल में सेनेगल की 1–0 की जीत को पलटकर 3–0 से मोरक्को के पक्ष में कर दिया। सीएएफ की अपील समिति ने कहा कि सेनेगल का मैदान छोड़ना टूर्नामेंट नियमों के आर्टिकल 82 और 84 का उल्लंघन है। इन नियमों के तहत बिना अनुमति मैच छोड़ने वाली टीम को हार मान लिया जाता है। इसी आधार पर मैच का परिणाम बदलते हुए मोरक्को को 3–0 से विजेता घोषित किया गया। 18 जनवरी को रबात में खेले गए फाइनल के दौरान स्टॉपेज टाइम में भारी विवाद हुआ।

न्यूज डायरी

अफगान क्रिकेटर अल्लाह गजनफर ने पाकिस्तान को दी धमकी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान के काबुल में एक 2,000 बेड वाले नशा मुक्ति अस्पताल पर भीषण हवाई हमला किया गया। इस हमले में लगभग 400 लोगों की मौत हुई और 250 से अधिक लोग घायल हुए हैं। अस्पताल का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह तबाह हो गया है। इस दर्दनाक घटना पर अफगान क्रिकेटर अल्लाह गजनफर ने कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि गरीब लोगों के इलाज की जगह को निशाना बनाना अफगानिस्तान को मंजूर नहीं है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय, खासकर भारत से दखल देने की अपील की है। दरअसल, गजनफर ने अफगानिस्तान के इतिहास का हवाला देते हुए पाकिस्तान को चेतावनी दी कि अगर इतिहास दोहराया गया, तो यह उनके लिए बहुत बुरा होगा। उन्होंने भारत को अफगानिस्तान का सबसे करीबी दोस्त बताया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस संकट की घड़ी में साथ आने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की गुजारिश की। आईपीएल 2026 में एमआई की जर्सी पहनने को तैयार अल्लाह गजनफर ने अपना दर्द शेयर किया। उन्होंने कहा ,वहां के लोगों के पास इलाज के लिए पैसा नहीं है और अब उन्होंने उस जगह को भी निशाना बनाया है। यह अफगानिस्तान के लोगों के लिए बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। गजनफर ने सैन्य हमलों के पीछे के मकसद पर सवाल उठाते हुए कहा कि आम नागरिकों को निशाना बनाकर कोई क्या साबित करना चाहता है? उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा, पूरी दुनिया अफगानिस्तान का इतिहास जानती है। अगर इतिहास खुद को दोहराता है, तो यह पाकिस्तान के लिए बहुत बुरा होगा।

धोनी छोड़ रहे हैं अपना लकी नंबर 7? वायरल पोस्ट से मचा हाहाकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का जर्सी नंबर 7 पिछले दो दशकों से उनकी पहचान बन चुका है। "थाला 7" सिर्फ एक नंबर नहीं, बल्कि करोड़ों फैंस के लिए एक भावना है। ऐसे में हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक तस्वीर ने फैंस को चौंका दिया, जिसमें सीएसके की जर्सी पर श्धोनीश के साथ नंबर 8 दिखाई दे रहा था। दरअसल, ये अफवाह तब शुरू हुई जब एक तस्वीर इंटरनेट पर तेजी से फैल गई। फोटो में श्ब्ज की किट पर धोनी का नाम और नंबर 8 दिख रहा था। इसके बाद फैंस के बीच तरह–तरह की अटकलें शुरू हो गईं कि क्या यह कोई रणनीतिक बदलाव है, अंधविश्वास से जुड़ा फैसला है या फिर किसी खास सीजन का संकेत? क्रिकेट एक्सपर्ट्स ने इस वायरल दावे को जल्द ही खारिज कर दिया। उनके अनुसार, ये तस्वीर किसी आधिकारिक घोषणा का हिस्सा नहीं है। माना जा रहा है कि यह एक कॉन्सेप्ट डिजाइन या फैन द्वारा बनाई गई एडिटेड इमेज हो सकती है। बता दें कि बीसीसीआई 2023 में धोनी के सम्मान में भारतीय टीम के लिए जर्सी नंबर 7 को रिटायर कर दिया था। हालांकि श्ल्ए में ऐसा नियम नहीं है, फिर भी धोनी की पहचान "7" से इतनी मजबूत जुड़ी है कि बदलाव की संभावना बेहद कम है। वहीं, श्ब्ज या धोनी की ओर से इस तरह के किसी बदलाव की पुष्टि नहीं की गई है। सोशल मीडिया पर फैंस की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं।

दुबई में मुश्किल दिन बिताकर भारत लौटीं सानिया मिर्जा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत की पूर्व टेनिस स्टार सानिया मिर्जा दुबई में मुश्किल दिन गुजारने के बाद वापस भारत लौट आई हैं। 39 साल की सानिया मिर्जा अपने बेटे के साथ दुबई में रहती हैं। लेकिन, उन्होंने ईद के लिए हैदराबाद आने का फैसला किया क्योंकि दुबई में इस वक्त इरान और इजरायल–अमेरिका के युद्ध के चलते माहौल ठीक नहीं है। इरान यूएई के कुछ हिस्सों को टारगेट कर रहा है और युद्ध के रुकने के भी कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। मिर्जा ने खुलासा किया कि अपने ऊपर से फाइटर जेट्स की अवाज सुनने के बाद उन्होंने घर आने का फैसला किया।

सानिया मिर्जा ने कहा, हमने अपने घर के ऊपर फाइटर जेट्स की आवाज सुनी और उनको इंटरसेप्ट (बीच में रोकना) होते हुए देखा। हमारे घर से 400–500 मीटर दूर जाकर मलबा गिरा। आप नहीं चाहते आपका बच्चा इससे गुजरे। वो मुझसे सवाल कर रहा था। यह अनसेफ नहीं लगा। लेकिन यह अनिश्चित और बेचैन करने वाला जरूर था।

श्री श्री रविशंकर से शिष्टाचार भेंट करते हुए मुख्यमंत्री धामी।

हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

सीएम ने की श्री श्री रविशंकर से शिष्टाचार भेंट

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को ऋषिकेश में श्री श्री रविशंकर जी से शिष्टाचार भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान दोनों के बीच सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक जागरूकता से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार–विमर्श हुआ। सीएम ने कहा कि पद्म विभूषण से सम्मानित श्री श्री रविशंकर जी द्वारा स्थापित आर्ट ऑफ लिविंग संस्था विश्वभर में शांति, योग और मानवीय मूल्यों के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उनके मार्गदर्शन से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो रहा है, जो उत्तराखंड जैसे आध्यात्मिक प्रदेश के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। श्री श्री रविशंकर जी ने मुख्यमंत्री को आशीर्वाद देते हुए राज्य की उन्नति और समृद्धि की कामना की।

पुलिस लाइन ग्राउंड में 22 मार्च को मैराथन का होगा आयोजन

संवाददाता देहरादून। हैप्पी स्ट्रीट फन एंड फिटनेस मॉर्निंग की ओर से बुधवार को प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता की गई। इसमें 22 मार्च को पुलिस लाइन ग्राउंड में प्रस्तावित मैराथन, योग, जुम्बा, मैट पिलाटीज और अन्य फिटनेस गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। जिनमें बच्चे, युवा और वरिष्ठ नागरिक सभी भाग ले सकेंगे। आयोजक आलोकिता जैन ने बताया कि हैप्पी स्ट्रीट का मुख्य उद्देश्य लोगों को मोबाइल और डिजिटल दुनिया से कुछ समय निकालकर परिवार और दोस्तों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के लिए प्रेरित करना है। इस दौरान अलोकिता जैन, सीमा जैन, डॉ अनामिका जिंदल, डॉ शैलेन्द्र कौशिक, अंकुर जैन आदि मौजूद रहे।

कीट नियंत्रण को लेकर किया जागरुक

संवाददाता देहरादून। रसोई गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारियों शशांक, विजय नैथानी ने मसूरी का दौरा कर व्यापार संघ के अध्यक्ष रजत अग्रवाल के साथ बैठक की। बैठक में सभी नागरिकों को रसोई गैस की पूरी आपूर्ति देने की बात की गई। साथ ही जिन नागरिकों के कनेक्शन की केवाईसी नहीं हुई है, उनको भी रसोई गैस मिलनी चाहिये।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।

दुर्गम क्षेत्रों में फाइबर केबल एवं वाईफाई से कनेक्टिविटी उपलब्ध कराए

निर्देश

■मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित हुई राज्य ब्रॉडबैंड समिति की बैठक

■कनेक्टिविटी सैचुरेशन की प्रगति की मासिक रिपोर्ट सचिव सूचना प्रौद्योगिकी को प्रत्येक माह सौंपी जाए

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में बुधवार को सचिवालय में राज्य ब्रॉडबैण्ड समिति की 9वीं बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान इंटरनेट कनेक्टिविटी से सम्बन्धित विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गयी एवं मुख्य सचिव द्वारा दिशा निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव ने ऐसे क्षेत्रों जहां रोड एक्सेस नहीं है, 4जी उपकरण आदि पहुंचाने के लिए रोड कनेक्टिविटी के बजाय फाईबर केबिल बिछाकर एवं वाईफाई आदि के माध्यम से शीघ्र से शीघ्र कनेक्टिविटी उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके लिए अन्य विकल्पों पर भी विचार कर उपयोग किए जाने जाने की बात कही।

मुख्य सचिव ने स्ट्रीट फर्नीचर मैपिंग कार्य में तेजी जाए जाने के लिए सभी संबंधित विभाग को निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कनेक्टिविटी सैचुरेशन के कार्य में किसी भी प्रकार की कोई समस्या आती है तो सीधे सम्बन्धित सचिव से बात कर समस्याओं का निराकरण किया जाए। उन्होंने जनपद स्तरीय समितियों की बैठकें निर्धारित समय में अनिवार्य रूप से आयोजित कराए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि समस्त गतिविधियों की प्रगति रिपोर्ट मासिक रूप से सचिव आईटी को नियमित रूप से प्रेषित की जाए।

मुख्य सचिव ने समस्त पंचायत भवनों में भारतनेट की कनेक्टिविटी दिए जाने से सम्बन्धित बिन्दु पर जहां पंचायत भवन निर्माणाधीन हैं, ऐसे स्थानों में विकल्प के तौर पर पास के सरकारी भवनों जैसे प्राथमिक विद्यालय अथवा आंगनवाड़ी केन्द्रों में अस्थायी रूप से कनेक्टिविटी उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने पंचायत भवनों के निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में भी तेजी जाए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने सभी टेलीकॉम कम्पनियों को शहरी क्षेत्रों में भी कॉल ड्राप की समस्या को सुधारे जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में ऐसे ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर सुधारे जाएं जहां लगातार कॉल ड्रॉप होती है। उन्होंने कहा कि यात्रा सीजन के दौरान प्रदेश के सभी यात्रा मार्गों में स्थायी टावर लगाए जाने तक अस्थायी मोबाईल टावर लगाकर कनेक्टिविटी सुविधा सुनिश्चित की जाए।

इस अवसर पर सचिव नितेश कुमार झा, सी.रविशंकर, केन्द्रीय दूर संचार विभाग के अधिकारी, बीएसएनएल सहित अन्य प्राईवेट मोबाईल नेटवर्क सेवा प्रदाता एवं टावर्स एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोवाईडर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

भारतनेट से सभी पंचायत भवनों को किया जाए संतृप्त

मुख्य सचिव ने सभी पंचायत भवनों को भारतनेट कनेक्टिविटी सुविधा शीघ्र से शीघ्र उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि राज्य सरकार का आरओडब्ल्यू पोर्टल को आईटीडीए हैंडल करेगा। साथ ही उन्होंने अन्य पेयजल, बिजली, गैस एवं संचार से सम्बन्धित ऐसे विभागों, जो सड़कों आदि खुदाई कर अंडरग्राउण्ड लाइनें बिछाने का कार्य करते हैं, को आरओडब्ल्यू पोर्टल पर अपने सिस्टम को शीघ्र इंटीग्रेट किए जाने के निर्देश दिए हैं।

जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार करें: डीएम

बैठक

■जिलाधिकारी ने की प्रस्तावित कार्यक्रम के आयोजन की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं पर बैठक

संवाददाता

देहरादून। राज्य सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनपद देहरादून सहित प्रदेशभर में विधानसभावार कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे। जनपद में प्रस्तावित मुख्य कार्यक्रम के सफल आयोजन की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के सम्बन्ध बुधवार को जिलाधिकारी सविन बंसल ने ऋषिपर्णा सभागार में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

कार्यक्रमों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी द्वारा आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। परेड ग्राउंड, में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम के दौरान तिब्बती मार्केट ऑटोमेटेड पार्किंग, कैब सेवा एवं आधुनिक इंटेंसिव केयर सेंटर का विधिवत लोकार्पण एवं अनावरण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत विकास कार्यों का शिलान्यास भी प्रस्तावित है।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम स्थल पर अपने–अपने विभागों के स्टॉल स्थापित करते हुए संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को योजनाओं की जानकारी एवं लाभ प्राप्त हो सके। साथ ही प्रत्येक कार्यक्रम को विस स्तर पर नोडल अधिकारी नामित करते हुए सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण एवं महिलाओंध्युवतियों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु पृथक स्टॉल स्थापित किए जाएं। समाज कल्याण विभाग को निर्देशित किया गया कि डीडीआरसी (जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र) का सेटअप कार्यक्रम स्थल पर स्थापित करते हुए दिव्यांगजनों के प्रमाण पत्र निर्गत करने एवं आवश्यक सहायक उपकरणों के वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

निर्माणाधीन परियोजनाओं को समय पर पूरा करें विभागः सीएस

संवाददाता देहरादून। डॉ आर. एस. टोलिया प्रशासनिक अकादमी नैनीताल में मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने मंगलवार देर सायं नैनीताल जिले में संचालित विभिन्न परियोजनाओं सहित अन्य महत्वपूर्ण विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश देते हुये मुख्य सचिव ने कहा कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की प्रशासनिक, तकनीकी एवं प्रक्रियागत बाधा आ रही है, तो उसका त्वरित समाधान किया जाए यदि समस्या शासन स्तर की है तो तत्काल शासन के संज्ञान में लाया जाए।' विकास कार्य रुकने नहीं चाहिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि सभी विभाग मासिक लक्ष्य निर्धारित कर उसके अनुरूप नियमित कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि लंबित टेंडर, स्वीकृतियों और तकनीकी अनुमोदनों को शीघ्र पूरा किया जाए तथा जिलास्तर पर जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी परियोजनाओं एवं विकास कार्यों की नियमित समीक्षा करें।'

150 सफाई कर्मियों को बांटी सुरक्षा किट

संवाददाता ऋषिकेश। नगर पालिका परिषद डोईवाला में प्रोजेक्ट सर्कुलर भारत के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छता कर्मियों को स्वच्छता कार्य के दौरान संक्रमण से बचने के उपाए बताए गए। 150 सफाई कर्मियों को सुरक्षा उपकरण बांटे गए। बुधवार को नगर पालिका परिषद डोईवाला के सभागार में जागरूकता एवं पीपीई किट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।